हिन्दी सांध्य दैनिक

प्रखर पूर्वांचल

अखबार नहीं आंदोलन

RNI:UPHIN/2016/68754 www.prakharpurvanchal.com Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com

गाजीपुर से प्रकाशित व वाराणसी, चंदौली, सोनभद्र, मऊ, बलिया, आजमगढ़, भदोही, मिर्जापुर, जौनपुर, लखनऊ, प्रयागराज, गोरखपुर, कुशीनगर, महाराजगंज तथा देवरिया से प्रसारित

वर्षः 7, अंकः 356, पृष्ठ 8, मूल्य 3.00, आमंत्रण मूल्य 2.00 19 जून, 2023 दिन सोमवार गाजीपुर/वाराणसी

देश में प्रचंड गर्मी का प्रकोप जारी

कई राज्यों ने बढ़ाई स्कूल की छुट्टियां

बहुत गंभीर हीटवेव की स्थितियों का अनुमान, बदलते मौसम ने लोगों को किया परेशान

नई दिल्ली। अब तक देश के कुछ हिस्से में लोगों को चिलचिलाती गर्मी से राहत नहीं मिली है। अब भी भारत के कई हिस्से भीषण गर्मी की चपेट में है। अपने लेटेस्ट अपडेट में भारतीय मौसम विज्ञान विभाग ने उत्तर प्रदेश, बिहार, तमिलनाडु, मध्य प्रदेश, झारखंड, विदर्भ, ओडिशा, पश्चिम बंगाल, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना जैसे विभिन्न क्षेत्रों में बहुत गंभीर हीटवेव की स्थितियों का अनुमान लगाया है। आईएमडी के शुक्रवार को बिहार में चल रहे लू के कारण, राज्य में रेड अलर्ट जारी कर दिया है। भीषण गर्मी को देखते हुए पटना जिला प्रशासन ने 12वीं कक्षा तक की कक्षाओं के लिए गर्मी की छुट्टी बढ़ा

दी और अब सभी स्कूल स्कूल 24 जून तक बंद रहेंगे। भीषण गर्मी को देखते हुए बिहार के साथ-साथ कई अन्य राज्यों ने भी अपनी गर्मी की छुट्टी बढ़ा दी गई हैं। वहीं, गोवा, छत्तीसगढ़ और आंध्र प्रदेश के स्कूलों में भी गर्मी की छुट्टियां बढ़ा दी गई हैं। आईएमडी ने कहा है कि अगले चार दिनों के दौरान ओडिशा के कुछ हिस्सों में गंभीर लू की स्थिति बनी रहेगी। पश्चिम बंगाल, साथ ही झारखंड में रहने वाले लोग अगले 3 दिनों तक भीषण गर्मी का सामना करेंगे। तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, पूर्वी उत्तर प्रदेश, बिहार और पूर्वी मध्य प्रदेश अगले दो दिनों तक लू के प्रकोप का सामना करेंगे। अगले 24 घंटे तक तेलंगाना, तमिलनाडु, पश्चिम मध्य प्रदेश और रायलसीमा जैसे राज्यों में भी लू की स्थिति बनी रहेगी। हालांकि, लोगों को उम्मीद थी कि जून के मध्य से मानसून का आगमन हो जाएगा, लेकिन बदलते मौसम ने लोगों को परेशान कर दिया है। फिलहाल, अगले तीन दिनों में मध्य, पूर्व और दक्षिण भारत में अधिकतम तापमान में कोई खास बदलाव नहीं होगा, 2-4 डिग्री सेल्सियस की गिरावट का अनुमान है।

महिलाओं ने संभाला मोर्चा, एकजुट होकर शांति के लिए मशाल लेकर सड़कों पर उतरीं

इंफाल। मणिपुर में लगातार हिंसा भड़कती जा रही है। इससे आम नागरिकों को परेशानी हो रही है। राज्य में शांति लाने के लिए महिलाओं ने मोर्चा संभाल लिया है। राज्य में हो रही हिंसा की निंदा करने के लिए कई जिलों में सैकड़ों महिलाएं शनिवार रात सड़कों पर उतरीं। इंफाल के पूर्व- पश्चिम, थौबल और काकचिंग जिलों में शाम सात बजे से रात आठ बजे तक सड़कों पर महिलाएं इकट्ठी हुईं और रैली निकाली। इस दौरान महिलाओं के हाथ में आग की मशालें थीं। कोंगबा में मीरा पैबी की नेता थौनाओजम किरण देवी ने पत्रकारों से कहा कि हम सब सरकार और केंद्र सरकार से बहुत निराश है। वे हिंसा को रोकने और सुरक्षा प्रदान करने में विफल रहे हैं। सड़कों पर उतरी महिलाओं ने म्यांमार से अवैध अप्रवासियों की घुसपैठ का भी विरोध किया। महिलाओं ने राष्ट्रीय नागरिक पंजी (एनआरसी) को लागू करने की मांग को लेकर नारेबाजी की। बता दें, मणिपुर में एक महीने पहले भड़की मीतेई और कुकी समुदाय के लोगों के बीच जातीय हिंसा में 100 से अधिक लोगों की जान चली गई है। राज्य सरकार ने अफवाहों को फैलने से रोकने के लिए 11 जिलों में कर्फ्यू लगा दिया था और इंटरनेट सेवाओं पर प्रतिबंध लगा दिया था। मणिपुर की राजधानी इंफाल बिल्कुल बीच में है। ये पूरे प्रदेश का 10 फीसदी हिस्सा है, जिसमें प्रदेश की 57 फीसदी आबादी रहती है। बाकी चारों तरफ 90 फीसदी हिस्से में पहाड़ी इलाके हैं, जहां प्रदेश की 42 फीसदी आबादी रहती है।

पुणे में बड़ा हादसा, भीषण आग में 20 गोदाम जलकर राख

पुणे। महाराष्ट्र के पुणे में एक बड़ा हादसा सामने आया है। दरअसल यहां आग के चलते 20 गोदाम जलकर खाक हो गए हैं। इस आग के चलते भारी नुकसान हुआ है। गनीमत रही कि इस हादसे में कोई चोटिल नहीं हुआ है। आग लगने का कारण अभी तक पता नहीं चला है। घटना की जांच की जा रही है। घटना पुणे के गंगाधाम चौक इलाके की है। जहां रविवार सुबह करीब नौ बजे अचानक आग भड़क गई। आग लगते ही इसकी सूचना अग्निशमन विभाग को दी गई। जहां आग लगी, वहां बिस्किट, सीमेंट, मोल्डिंग और इलेक्ट्रिकल आइटम, फर्नीचर और सजावटी सामान के गोदाम थे, जो आग की चपेट में आ गए। सभी गोदाम आग के चलते तबाह हो गए और लोगों को भारी नुकसान हुआ है। गोदामों में आग लगने के बाद यह भड़कती चली गई और मौके पर मौजूद अग्निशमन विभाग की 22 गाड़ियां भी आग पर समय रहते काबू नहीं पा सकीं। कई घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया जा सका। आग लगने का कारण अभी तक पता नहीं चल पाया है। पुलिस इसकी जांच कर रही है।

बलिया जिला अस्पताल: 8 दिनों में 121 लोगों की मौत से हड़कंप, लखनऊ से आई टीम खोलेगी रहस्य से पर्दा

बलिया। यूपी के बलिया जिले में प्रचंड गर्मी जानलेवा बन चुकी है। हीट वेव के कारण लोगों की जान पर आफत बन गई है। हालात चिंताजनक बन चुके हैं। भीषण गर्मी के बीच जिला अस्पताल में 8 दिनों में 121 लोगों की मौत से हड़कंप मचा है। इन मौतों से जिला प्रशासन सकते में आ गया है। आंकड़ों को कंट्रोल करना शुरू कर दिया गया है। जिला अस्पताल की जिस बीएसटी में मरीजों के रेफर होने, बीमारी और मौत की जानकारी दर्ज की जाती है उसे हटा दिया गया है। रविवार सुबह सीएमओ डॉ. जयंत कुमार के साथ डीएम रविंद्र कुमार ने एक बयान जारी किया। इसमें उन्होंने गर्मी और हीट स्ट्रोक से मौत होने से इंकार किया। कहा कि लखनऊ से आए एक्सपर्ट की टीम अस्पताल में हुई मौतों का राज खोलेगी। यहीं नहीं ये भी कहा कि हीट स्ट्रोक से मौत के संबंध में बयान देने पर ही तत्कालीन सीएमएस डॉ. दिवाकर सिंह को यहां से हटा दिया गया है। बलिया जिले में पड़ रही भीषण गर्मी के बीच हर घंटे पांच से छह मरीज इमरजेंसी में भर्ती हो रहे हैं। इतना ही नहीं तमाम प्रयासों के बावजूद मौत का आंकड़ा कम नहीं हो रहा है। आलम यह है मरीजों की मौत विभिन्न बीमारियों की चपेट में आने से हो रही है। इस कारण प्रशासनिक स्तर पर खलबली मची है। आज सुबह से भी भी इमरजेंसी में दस्त, उल्टी आदि

लक्षणों वाले मरीज आ रहे थे। अधिकतर को रेफर किया जा रहा था। मौतें भी हो रही हैं। शनिवार रात से अब तक करीब छह लोगों की मौत की सूचना है। हालांकि अस्पताल से अभी आंकड़े जारी नहीं किए गए हैं। आशंका जताई जा रही है कि लू की वजह से ही मौतें हुई हैं। मौत की असली वजह पोस्टमार्टम रिपोर्ट से ही सामने आ सकेगी।

विशेष वार्ड भी बनाया गया- हालात को नियंत्रित करने के लिए चिकित्सकों व स्वास्थ्यकर्मियों की छुट्टी रद्द कर दी गई हैं। सीएचसी पीएचसी से लगायत ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्यकर्मी सक्रिय हो गए हैं। इमरजेंसी में मरीजों की भीड़ देखते हुए अतिरिक्त बेडों की संख्या बढ़ा दी गई। जिला प्रशासन के निर्देश पर जिला अस्पताल प्रशासन ने 15 बेड का स्पेशल वार्ड खोला है। जिला अस्पताल में भर्ती होने के लिए आने वाले अधिकतर मरीजों की उम्र 60 से ऊपर है। इमरजेंसी में आने वाले मरीजों को तेज बुखार, उल्टी, दस्त, सांस व हृदयघात की समस्या ज्यादा है।

लू से मौत का बयान देना भारी पड़ा- लू की वजह से मौतों पर बयान देना जिला अस्पताल के प्रमुख चिकित्सा अधीक्षक डॉ. दिवाकर सिंह को भारी पड़ा है। शासन ने मामले का संज्ञान लिया और उन्हें पद से हटा दिया। अब उन्हें आजमगढ़ मंडल बना जेडी बनाया गया है। जिला अस्पताल के सर्जन डॉ. एके यादव को प्रभारी प्रमुख चिकित्सा अधीक्षक की जिम्मेदारी सौंपी गई है। आजमगढ़ मंडल के अपर निदेशक डॉ. ओपी तिवारी शनिवार को जिला अस्पताल पहुंचे और डॉ. एके यादव को कार्यभार ग्रहण कराया। इसकी खबर लगते ही अस्पताल के डॉक्टर व कर्मचारियों में खलबली मच गई। डॉ. एसके यादव ने चार्ज लेने के बाद ईएमओ व फिजिशियन डॉक्टरों की आपात बैठक कर जिम्मेदारी भी सौंपी।

बंगाल पंचायत चुनाव: कूचबिहार में भाजपा नेता के रिश्तेदार का शव मिला, तृणमूल कांग्रेस पर आरोप

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में आठ जुलाई को पंचायत चुनाव होने वाले हैं। चुनाव के पहले राज्य के अलग-अलग इलाकों में हिंसाएं भड़की हुई हैं। आगजनी और तोड़फोड़ तो अब आम हो चुकी है। इस बीच रविवार को एक शव मिला, जिसकी पहचान भाजपा उम्मीदवार के बहनोई के रूप में हुई है। पुलिस ने बताया कि घटना कूचबिहार जिले की है। अज्ञात आरोपियों ने शनिवार रात मृतक शंभू दास (30) को घर के बाहर बुलाया था। इसके कुछ घंटे बाद ही तालाब के पास शंभू का शव मिला। डॉक्टर की रिपोर्ट में सामने आया कि मृतक पर कई बार चाकू से वार किये गए थे। भाजपा नेता अजॉय रॉय ने टीएमसी पर निशाना साधते हुए कहा कि दास ने दिनहाटा के दासग्राम क्षेत्र से भाजपा ग्राम पंचायत उम्मीदवार बिसाखा दास का समर्थन किया था। इसलिए टीएमसी कार्यकताओं ने उनकी हत्या कर दी। पश्चिम

बंगाल के मंत्री उदयन गुहा ने रॉय के दावे को खारिज करते हुए कहा कि घटना में पार्टी की कोई भूमिका नहीं थी। दास राजनीतिक कार्यकर्ता नहीं थे। व्यक्तिगत झगड़े के कारण दास की हत्या की गई। भाजपा पश्चिम बंगाल में हर अपराध को राजनीतिक मोड़ देती है। इसके अलावा, एक दिन पहले पुलिस ने कहा था कि मालदा जिले में भी टीएमसी उम्मीदवार मुस्तफा शेख पर बदमाशों ने जानलेवा हमला किया था। अस्पताल में डॉक्टर ने उन्हें मृत घोषित कर दिया था। एक आंकड़े के मुताबिक, पश्चिम बंगाल में अब तक सात लोगों की मौत हो चुकी है। पश्चिम बंगाल में पंचायत चुनाव के दौरान हिंसा का इतिहास रहा है। 2013 और 2018 के पंचायत चुनाव भी अपवाद नहीं थे। 2013 में जहां पंचायत चुनाव में हिंसा के चलते 39 लोगों की मौत हुई थी, वहीं 2018 में 21 लोग मारे गए थे। पिछले पंचायत चुनाव में 34 प्रतिशत सीटों पर टीएमसी निर्विरोध जीती थी, साथ ही 90 प्रतिशत सीटों पर टीएमसी समर्थित उम्मीदवारों ने ही जीत दर्ज की थी।

रामगोपाल ने भाजपा पर साधा निशाना, बोले- 2024 के बाद चुनाव कराने की जरूरत नहीं होगी

आगरा। फिरोजाबाद के सुहागनगर सेक्टर तीन स्थित अचल पैलेस में आयोजित सपा के पिछड़ा वर्ग सम्मेलन में राष्ट्रीय महासचिव प्रो. रामगोपाल यादव ने केंद्र और प्रदेश सरकार पर हमला बोलते हुए कहा कि उद्योगपतियों के गठजोड़ से केंद्र और प्रदेश सरकार चल रहीं हैं। इनके विरुद्ध कोई बोले तो उसे ईडी, सीबीआई का भय दिखाकर चुप करा दिया जाता है। प्रोफेसर रामगोपाल यादव ने कहा कि कार्यकर्ता लोकसभा चुनाव 2024 की तैयारी अभी से प्रारंभ कर दें। इसके लिए संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत किया जाएगा। उन्होंने कहा हमने कई बार आबादी के हिसाब से आरक्षण की मांग उठाई। प्रदेश में हत्या की प्राथमिकी दर्ज होने पर संबंधित के मकान पर बुलडोजर चलवाए जा रहे हैं। कानून व्यवस्था के नाम पर एनकाउंटर हो रहे हैं। मुस्लिम समाज के लोगों का उत्पीड़न हो रहा है। मुख्यमंत्री की बिरादरी के जाने कितने लोग डकैत और अपराधी होंगे। न तो कोई मारा

गया और न किसी के घर पर बुलडोजर चला। नए संसद का शुभारंभ हुआ, जिसमें देश के राष्ट्रपति तक को नहीं बुलाया गया। कर्नाटक में हारने के बाद अब उप्र में भाजपा का काम खत्म। बसपा की राष्ट्रीय अध्यक्ष भाजपा के एजेंट के रूप में काम कर रही है। समाजवादी पार्टी के मुख्य राष्ट्रीय महासचिव प्रो. रामगोपाल यादव ने कहा कि विपक्ष एकजुट होकर भाजपा सरकार को हराने का काम करेगा। एक दो दल छोड़कर बाकी सभी साथ होंगे। 2024 में ऐसा नहीं हुआ तो लोकतंत्र खत्म हो जाएगा। उन्होंने प्रदेश की योगी एवं केंद्र की मोदी सरकार पर भी हमला बोला। उन्होंने कहा कि भाजपा लोकतंत्र को खत्म करने का काम कर रही है।

बाउंसर फेंकोगे तो कोहली की तरह पुल शॉट मारूंगा : विदेश मंत्री एस. जयशंकर

नई दिल्ली। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने हाल ही में लंदन में भारतीय उच्चायोग में हुई हिंसा पर एक बार फिर नाराजगी जताई है। उन्होंने कहा कि जब लोग भारत का सम्मान नहीं करते हैं तो मैं काफी परेशान हो जाता हूं। जयशंकर ने कहा- मैं कहीं जा रहा था और एक विमान से उतरा ही था कि मैंने वीडियो में देखा कि एक व्यक्ति लंदन में भारतीय उच्चायोग पर लगे झंडे को चढ़कर नीचे खींचने की कोशिश कर रहा था। यह मुझे काफी परेशान करने वाला था।

विदेश मंत्री बनने के बाद स्वभाव बदला- दरअसल, जयशंकर एक यूट्यूब पोडकास्ट, द रणवीर शो पर साक्षात्कार दे रहे थे। उन्होंने भारतीय विदेश नीतियों और चुनौतियों से संबंधित कई मुद्दों पर बात की। उन्होंने कहा कि विदेश मंत्री बनने के बाद से मेरा नजरिया भी बदला है। राजनीतिक लोगों को कैसे जवाब देना है, वो

अब मैं जानता हूं।

जैसे को तैसा वाला जवाब- जयशंकर से जब पूछा गया कि विदेश मंत्री बनने के बाद उनमें क्या अंतर आया है। इसके जवाब में उन्होंने कहा कि बीते 45 साल से ज्यादा समय से वो एक राजनयिक के रूप में कार्य कर रहे थे, लेकिन जब से वो विदेश मंत्री बने हैं तब से उन्होंने लोगों को उनके ही लहजे में जवाब देना शुरू कर दिया है। मंत्री ने कहा कि पहले वो एक राजनयिक की तरह चीजों को शांत रखते थे। लेकिन अब राजनीति में उनसे जो जैसा व्यवहार करता है, वैसा ही जवाब वो देते हैं।

कोहली की तरह पुल शॉट मारता हूं- विदेश मंत्री ने कहा कि मेरे साथ कोई अच्छा व्यवहार करता है, तो उससे भी मैं वैसे ही बात करता हूं। जयशंकर ने आगे कहा कि बीते कुछ सालों में मुझ पर कई तंज कसे जा रहे हैं और मैं विराट कोहली की तरह ही बाउंसर का जवाब पुल शॉट में दे रहा हूं।

'भारत से 2025 तक टीबी का होगा खात्मा' 'मन की बात' में बोले प्रधानमंत्री मोदी

नई दिल्ली। भारत ने 2025 तक टीबी (ट्यूबरकुलोसिस) को खत्म करने का लक्ष्य रखा है और जल्द ही इसे पूरा कर लिया जाएगा। यह बात पीएम मोदी ने अपने मासिक रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' में कही। "भारत ने 2025 तक टीबी उन्मूलन का लक्ष्य निर्धारित किया है। निक्षय मित्र ने टीबी के खिलाफ इस आंदोलन की कमान संभाली है। हजारों लोग ग्रामीण क्षेत्रों में टीबी के रोगियों को गोद ले रहे हैं। यह भारत की सच्ची ताकत है। युवा भी इसमें योगदान दे रहे हैं।" 2025 तक टीबी उन्मूलन के लक्ष्य को प्राप्त करना।" छत्रपति शिवाजी महाराज को याद करते हुए पीएम मोदी ने आगे कहा कि छत्रपति शिवाजी महाराज की वीरता के साथ-साथ उनके शासन और उनके प्रबंधन कौशल से भी बहुत कुछ सीखने को मिलता है। उन्होंने कहा कि छत्रपति शिवाजी महाराज द्वारा किए गए कार्यों, खासकर जल प्रबंधन और नौसेना को लेकर किए

गए कार्यों के बारे में जानकर कई चीजें सीखने को मिली है। यूपी में एक नदी को पुनर्जीवित करने के लोगों के प्रयासों की सराहना करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि उत्तर प्रदेश के हापुड़ जिले में लोगों ने एक विलुप्त नदी को पुनर्जीवित किया है। नदी के स्रोत को भी अमृत सरोवर के रूप में विकसित किया जा रहा है। इस वर्ष के अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की थीम पर बोलते हुए पीएम मोदी ने कहा कि इस वर्ष के अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की थीम 'वसुधैव कुटुम्बकम के लिए योग' है। यह योग की भावना को व्यक्त करता है जो हमें एकजुट करता है और हमें एक मंच पर लाता है।

साक्षी मलिक के दावे पर बबीता फोगाट का पलटवार, कहा- बात ऐसी न कहो कि छिपानी पड़ जाए...

चंडीगढ़। भारतीय कुश्ती संघ के पूर्व प्रमुख बृजभूषण सिंह के खिलाफ शुरू हुआ पहलवानों का प्रदर्शन नित नए मोड़ ले रहा है। शनिवार को पहलवान साक्षी मलिक और उनके पति सत्यव्रत कादियान ने एक वीडियो जारी कर आरोप लगाया था कि दो भाजपा नेताओं की ओर से आंदोलन की अनुमति दिलवाई गई थी। इस बारे में साक्षी मलिक ने एक पत्र दिखाया है। उन्होंने दावा किया कि भाजपा नेता तीर्थ राणा और बबीता फोगाट ने उन्हें धरना देने के लिए कहा था। इसके जवाब में बबीता फोगाट ने ट्वीट किया-बात ऐसी ना कहो दोस्त की कह के फिर छिपानी पड़ जाए। साक्षी मलिक ने अपने वीडियो में कहा था कि कुश्ती से जुड़े लोगों को पता है कि पिछले 10 -12 वर्षों में महिलाओं से छेड़छाड़ और उत्पीड़न हुआ है। यदि किसी ने अकेले आवाज उठाने की सोच बनाई भी तो बात फेडरेशन तक पहुंच जाती थी। इससे उस व्यक्ति के कॅरिअर में मुश्किलें शुरू हो जाती थीं। हमारी लड़ाई किसी सरकार से नहीं है। आंदोलन जारी है। यह न्याय नहीं मिलने तक जारी रहेगा। इसे कमजोर करने के लिए फेक न्यूज चलवाई जा रही है। इन पर

ध्यान न दें। बबीता ने ट्वीट किया-एक कहावत है कि जिंदगी भर के लिये आपके माथे पर कलंक की निशानी पड़ जाए। बात ऐसी ना कहो दोस्त की कह के फिर छिपानी पड़ जाए। मुझे कल बड़ा दुःख भी हुआ और हंसी भी आई जब मैं अपनी छोटी बहन और उनके पतिदेव का वीडियो देख रही थी, सबसे पहले तो मैं ये स्पष्ट कर दूं कि जो अनुमति का कागज छोटी बहन दिखा रही थी उस पर कहीं भी मेरे हस्ताक्षर या मेरी सहमति का कोई प्रमाण नहीं है और ना ही दूर-दूर तक इससे मेरा कोई लेना देना है। बबीता ने कहा-मैं पहले दिन से कहती रही हूं कि प्रधानमंत्री पर एवं देश की न्याय व्यवस्था पर विश्वास रखिए, सत्य अवश्य सामने आएगा। एक महिला खिलाड़ी होने के नाते मैं सदैव देश के सभी खिलाड़ियों के साथ थी, साथ हूं और सदैव साथ रहूंगी परंतु मैं धरने-प्रदर्शन की शुरूआत से इस चीज के पक्ष में नहीं थीं। मैंने बार-बार सभी पहलवानों से ये कहा कि आप प्रधानमंत्री या गृहमंत्री से मिलो समाधान वहीं से होगा, लेकिन आपको समाधान दीपेंद्र हुड्डा, कांग्रेस और प्रियंका गांधी और उनके साथ आ रहे उन लोगों द्वारा दिख रहा था जो खुद बलात्कारी एवं अन्य मुकदमे के दोषी है लेकिन देश की जनता अब इन विपक्ष के चेहरों को पहचान चुकी है। अब देश के सामने आकर उन्हें उन सभी जवानों, किसानों और उन महिला पहलवानों की बातों का जवाब देना चाहिए जिनकी भावनाओं की आग में इन्होंने अपनी राजनीति की रोटी सेकने का काम किया। जो महिला खिलाड़ी धरने पर साथ बेठे थे उनके विचारों को सभी पूर्वाग्रहों के साथ ऐसी दिशा दी जहां बस आपके राजनीतिक फायदे दिख रहे थे। आज जब आपका ये वीडियो सबके सामने है उससे अब देश की जनता को समझ में आ जाएगा कि नए संसद भवन के उद्घाटन के पवित्र दिन आपका विरोध और राष्ट्र के लिए जीता हुआ मेडल गंगा में प्रवाहित करने की बात कितना देश को शर्मसार करने जैसा था।

हवाई अड्डे पर खंभे से टकराई शटल बस, 10 यात्री घायल, चालक को झपकी आने से हुआ हादसा

बेंगलुरु। बेंगलुरु हवाई अड्डे पर एक यात्री शटल बस खंभे से जा टकराई, जिसमें लगभग 10 यात्री घायल हो गए हैं। बताया जा रहा है कि बस ने अपना नियंत्रण खो दिया, जिसके बाद यह हादसा हो गया। हादसा आज सुबह सवा पांच बजे केम्पेगौड़ा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर हुआ। बताया जा रहा है कि जिस दौरान यह हादसा हुआ, तो शटल में कुल 17 लोग सवार थे, जिनमें 15 यात्री और चालक दल के दो सदस्य शामिल थे। हादसे में घायल हुए लोगों में एक दो वर्षीय बच्चा भी है। सभी घायलों को तुरंत इलाज के लिए नजदीकी अस्पताल ले जाया गया। अधिकारियों ने कहा कि पांच लोगों को इलाज के बाद घर भेज दिया गया है। बेंगलुरु हवाई अड्डे के प्रवक्ता ने कहा, "18 जून, 2023 को लगभग सुबह 5.15 बजे, BLR हवाई अड्डे के T1 और T2 के बीच चलने वाली एक शटल बस T2 आगमन निकास मार्ग के पास एक खंभे से टकरा गई, जिसके कारण 10 लोग घायल हो गए। इसमें कुल 17 यात्री (15 यात्री और 2 कर्मचारी) सवार थे। घायलों को तत्काल चिकित्सा के लिए अस्पताल ले जाया गया।" प्रवक्ता ने कहा, "BIAL द्वारा दिए गए सेवा अनुबंध के मुताबिक, AI STATS हवाई अड्डे पर शटल

सेवाओं का संचालन करता है। हम इस मामले की जांच करने के लिए ऑपरेटर के साथ काम कर रहे हैं और समझौते के अनुसार सभी आवश्यक शमन उपाय करेंगे।" केम्पेगौड़ा पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और जांच जारी है। हवाई अड्डे के सूत्रों ने बताया है कि चालक को झपकी आ गई होगी, जिसके कारण यह दुर्घटना हुई।

संपादकीय

मणिपुर से सबक ले केंद्र सरकार

पिछले डेढ़ माह से मणिपुर में कुकी और मेतई समुदाय के बीच आरक्षण को लेकर जो जातीय हिंसा शुरू हुई है। वह थमने का नाम नहीं ले रही है। भाजपा के एक सांसद और केंद्रीय विदेश राज्य मंत्री राजकुमार रंजन के घर में भीड़ द्वारा आग लगा दी गई। मणिपुर के मंत्रियों और कई विधायकों के घर जला दिए गए। मणिपुर राज्य में 65000 से अधिक सैन्य बल तैनात है। कर्फ्यू कई बार लगाया गया। कई बार इंटरनेट बंद किया जा चुका है, अभी भी बंद है। मणिपुर के कई थानों एवं सुरक्षा बलों के ठिकाने से बड़ी मात्रा में हथियार लूट लिए गए। दोनों ही पक्ष के उन्मादी भीड़ एक दूसरे समुदाय के ऊपर हमले कर रहे हैं। एंबुलेंस में 3 घायलों को पुलिस अभिरक्षा में जिंदा जला दिया गया। दोनों ही समुदायों के लोगों द्वारा बड़े पैमाने पर सैन्य बलों की तैनाती होते हुए भी, बड़े पैमाने पर हिंसा की जा रही है। राज्य के मुख्यमंत्री भड़काऊ बयान दे रहे हैं। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह मणिपुर दौरे में गए थे। उन्होंने स्थिति पर काबू करने के लिए हरसंभव कोशिश की। पिछले 3 वर्षों में जिस तरह से बहुसंख्यक मैतई समुदाय और वहां की सरकार द्वारा कुकी नगा समुदाय की अनदेखी कर उसे प्रताड़ित किया जा रहा है। जिससे नाराज होकर मणिपुर में दोनों समुदायों के बीच अस्तित्व को लेकर आर पार की लड़ाई शुरू हो गई है। सत्ता पक्ष के ऊपर किसी का विश्वास नहीं रहा। दोनों ही समुदाय के लोग बड़ी संख्या में मारे जा रहे हैं। अभी तक 100 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है। सत्तापक्ष, बहुसंख्यक वर्ग को भी सुरक्षित नहीं रख पा रहा है। डबल और ट्रिपल एंजिन की सरकार होते हुए भी, केंद्र और राज्य सरकार स्थिति पर नियंत्रण नहीं कर पा रही है। सबसे बड़े आश्चर्य की बात है कि मणिपुर के मुख्यमंत्री वीरेन सिंह दावा कर रहे हैं, कि इस गड़बड़ी में विदेशी घुसपैठियों का हाथ है। मेतई समुदाय मणिपुर में बहुसंख्यक है बहुसंख्यक समाज का समर्थन पाने के लिए सरकार द्वारा आरक्षण का लॉलीपॉप दिया गया। मेतई समुदाय के लोग कई जातियों में बंटे हुए हैं। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ भी वहां पिछले दो-तीन वर्षों से अति-सक्रिय है। दोनों समुदाय के बीच हिन्दु और ईसाई का ध्रुवीकरण किया गया। सैकड़ों चर्च जला दिये गए। विभिन्न जातियों के बीच में सुनियोजित रूप से वैमनस्य फैलाया गया। वोटों की राजनीति ने मणिपुर को, सीरिया और लीबिया जैसा बना दिया है। एल. निशीकांत सिंह लेफ्टिनेंट जनरल के पद से रिटायर हुए हैं। उनका कहना है कि मेरे राज्य में आज अराजकता का जो माहौल है। उसमें कोई भी व्यक्ति किसी की भी जान ले सकता है। किसी की भी संपत्ति को नुकसान पहुंचा सकता है। जैसे लीबिया, नाइजीरिया और सीरिया के हालात हैं। वैसे ही हालात मणिपुर के हो गए हैं। केंद्र और राज्य सरकार यहां के लोगों की बात नहीं सुन रही है। हमें यहां पर, अपने ही हाल में छोड़ दिया गया है। मणिपुर राज्य में केंद्र सरकार और राज्य सरकार के ऊपर, दोनों ही समुदाय के लोगों को विश्वास नहीं रहा। केंद्रीय मंत्री अमित शाह का दौरा भी काम में नहीं आया। मणिपुर से जानकारी मिल रहा है। उसके अनुसार यदि शांति स्थापित करना है, तो वहां के लोगों को भरोसा दिलाना पड़ेगा। दोनों समुदायों के उनके हितों की रक्षा करनी होगी। वर्तमान स्थिति में केंद्र सरकार यदि सभी राजनीतिक दलों को साथ लेकर इस समस्या के समाधान के लिए आगे आना होगा। यदि ऐसा नहीं हुआ, तो मणिपुर की स्थिति आने वाले दिनों में और भी विस्फोटक होगी। याद रखना होगा, कि बंदूक के बल पर शासन संभव नहीं है। एक मच्छर को मारना भी बड़ा मुश्किल होता है। 65 हजार से अधिक सैन्य बल तैनात होने के बाद भी लाखों की आवादी वाले राज्य को स्थिति पर काबू नहीं कर पा रहे हैं। केंद्र और राज्य सरकार को अपना हठ छोड़कर, विपक्षी दलों के साथ-साथ वहां के सभी समुदायों के बीच में विश्वास कायम करने की कोशिश करनी होगी। समय रहते समस्या नहीं सुलझाया गया तो इसका असर पूर्वोत्तर के अन्य राज्यों में भी पड़ना तय है।

हाल हुआ बेहाल!

लू और गर्मी से ।
हाल हुआ बेहाल ।।
मौसम दिन पर दिन ।
कर रहा कमाल ।।
उमस और पसीने ने ।
उधम है मचाया ।।
लोग हो गए त्रस्त ।
है प्रकृति से की माया ।।
राहत की उम्मीद में ।
रहे सब निहार ।।
दस्तक मानसून का ।
मिल जाए उपहार ।।
लग रहा अनुमान ।
खुशखबरी कुछ आए ।
हैं जितने भी व्याकुल ।
त्वरित राहत पाएं ।।

–कृष्णेन्द्र राय

पूरी दुनिया में है बिहार योग पद्धति की व्यापकता

21 जून को प्रतिवर्ष मनाया जाने वाला योग दिवस एक अद्भुत वैश्विक घटनाक्रम है, भारत की प्राचीनतम विद्या शारीरिक स्वास्थ्य, मानसिक स्पष्टता और भावनात्मक सद्भाव बढ़ाने में कारगर है।इस बार अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2023 का थीम वसुधैव कुटुम्बकम के सिद्धांत के साथ वन वर्ल्ड, वन हेल्थ रखा गया है। योग को वैश्विक धरातल पर स्थापित करने में बिहार योग पद्धति का महत्वपूर्ण योगदान है। बिहार योग पद्धति की व्यापकता पूरी दुनिया में है। फ्रांस में तो किंडर गार्डन से लेकर स्नातकोत्तर के पाठ्यक्रम में बिहार की यह पद्धति शामिल है। बिहार योग परंपरा विश्व योग आंदोलन के प्रवर्तक परमहंस स्वामी सत्यानंद सरस्वती एवं उनके आध्यात्मिक उत्तराधिकारी परमहंस निरंजनानंद सरस्वती द्वारा विकसित एवं प्रतिपादित योग की प्रणाली है, जो प्राचीन सन्यास परंपरा से प्राप्त सांख्य, वेदांत, योग और तंत्र के बाडंमय पर आधारित है। बिहार योगप्रणाली की जड़ें हिमालय की तराई में अवस्थित ऋषिकेश में है, जहां प्रख्यात योगगुरु स्वामी शिवानंद ने योग की सामंजस्यपूर्ण अवधारणा की शिक्षा दी।स्वामी शिवानंद के आदेश और प्रेरणा के स्वरूप मुंगेर में बिहार योग विद्यालय की 1963 में स्थापना की। छह दशक के दौरान बिहार योग विद्यालय मुंगेर ने अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर गुणवत्ता पूर्ण योग शिक्षा के क्षेत्र में पहचान कायम की है। इसे प्रधानमंत्री योग पुरस्कार से पुरस्कृत भी किया जा चुका है।

बिहार योग प्रणाली, योग की ऐसी परंपरा है जो शास्त्रीय और अनुभवात्मक ज्ञान और आधुनिक दृष्टिकोण का समन्वय है। बिहार योग में ज्ञानयोग, भक्तियोग, कर्मयोग,हठयोग राजयोग,कुण्डलिनी योग और क्रियायोग के प्रति समेकित दृष्टिकोण है, जिसके आधार पर योगाभ्यासी जीवन के विभिन्न पहलूओं को सुगठित कर सकता है। दरअसल में साकारात्मक परिवर्तन एक स्वभाविक प्रकिया है,जो नियमित अभ्यास से घटित होता है। बिहार योग विद्यालय के संस्थापक परमहंस स्वामी सत्यानंद सरस्वती और उनके उत्तराधिकारी परमहंस स्वामी निरंजनानंद सरस्वती यह स्थापित किया कि योग मनुष्य की समस्याओं का समाधान और आवश्यकताओं की पूर्ति कैसे कर सकता है। बिहार योग पद्धति शास्त्रानुगत हठयोग और राजयोग की तकनीकों द्वारा शारीरिक एव मानसिक संतुलन एवं स्वास्थ्य के विकास में सहायक होता है। वही प्रत्याहार, घारणा, ध्यान, मंत्रयोग, कर्मयोग,राजयोग एवं भक्तियोग के क्रमवद्ध विकास द्वारा मानसिक एवं भावनात्मक स्थिरता प्रदान करता है। शास्त्रीय क्रियाओं और कुडलिनी योग द्वारा आत्मान्वेषणत्मक और अंतःजागरण में सक्षम बनाने में सहायक होता है। वैज्ञानिक प्रयोग और अनुसंघान बिहार योग पद्धति की धुरी रहे हैं। योग का विज्ञान,दर्शन और अभ्यास सार्वभौमिक है। यह किसी संस्कृति, परंपरा या धर्म के दायरे में सीमित नहीं है। योगभ्यास प्रत्येक मनुष्य के अस्तिव से संबध रखता है। उसका सम्बन्ध प्रार्थना, भक्ति तथा विश्वासों से नहीं है। योगाभ्यास हमारे संपूर्ण अस्तित्व, हमारे शारीरिक, मानसिक, भावनात्मक आत्मिक गुह्य शक्तियों से सम्बधित है।हमारा शरीर अस्वस्थ है, हमारे स्नायु तंत्र में असंतुलन है,हमारा रक्तचाप घट–बढ़ रहा है,हमारा रक्त विषाक्त हो गया है,हमारी ग्रंथियों में असंतुलन आ गया है,तब योग का कायिक पक्ष चुनाव तथा अभ्यास महत्वपूर्ण हो जाता है। भारत,अमेरिका, फ्रांस, पोलैण्ड, जर्मनी और जापान के शोध वैज्ञानिकों ने यह निष्कर्ष दिया है कि योगाभ्यास से शारीरिक क्रियाकलापों – स्नायुतंत्र, श्वसन तंत्र, निष्काषन तंत्र और अंतस्त्रावी ग्रंथियों को नियंत्रित किया जा सकता है। योग का समन्वित अभ्यास जरूरी है। समन्वित अभ्यास का एक पक्ष प्रातः कालीन साधना है। विज्ञान के अनुसार मस्तिष्क के भीतर चार प्रकार की तरंगे उत्पन्न होती हैं– बीटा,

अल्फा, थीटा और डेल्टा। ये चार विद्युतीय तरंगे मस्तिष्क के भीतर उत्पन्न होकर मस्तिष्क के व्यवहारों को नियंत्रित करती है। सुबह जब हम सोकर उठते हैं तो अल्फा तरंगों की प्रधानता रहती है। मन की इस विशेष अवस्था को अवचेतन अवस्था कहते हैं। यह समय ऐसे संकल्पों को लेना का होता है, जो जीवन के लिए हितकर हो। योग इसका तरीका मंत्र है। इसलिए उठते ही ग्यारह बार महामृत्युंजय मंत्र, ग्यारह बार गायत्री मंत्र और तीन बार दुर्गा जी 32 नामों का पाठ चाहिए। योगियों का मानना है कि मंत्र का असर अवचेतन मंत्र पर पड़ता है। परमहंस स्वामी निरंजनानंद सरस्वती के अनुसार– अवचेतन मन को जागृत करने लिए, स्वास्थ्य तथा प्रतिभा की प्राप्ति और दुगर्ति की मुक्ति के लिए के लिए प्रभावी है। मंत्र साधना में किसी को कोई झिझक नहीं होनी चाहिए, चाहे वह किसी भी धर्म सम्प्रदाय से जुड़ा क्यों न हो। इन मंत्रों का प्रयोग व्यक्तिगत उत्थान है।

एक सामान्य व स्वस्थ व्यक्ति के लिए कुछ ही आसन पर्याप्त है। पहला है ताड़ासन। ताड़ासन के अभ्यास से अस्थियों और मेरूदंड में जमा तनाव और दबाव मुक्त हो जाता है। यह खिंचाव का अभ्यास है, जिससे विभिन्न प्रकार के जोड़ों से दबाव दूर होता है। दूसरा आसन निर्यक ताड़ासन है। यह एक सरल पर बेहद लाभदायक अभ्यास है। इसमें पीठ की एक तरफ तो खिंचाव होता है और दूसरी ओर दबाव पड़ता है, जिससे दोनों तरफ का तनाव मुक्त हो जाता है। यह अभ्यास मेरूदंड की गड़बड़ियों को ठीक करने और उसे सीधा करने के लिए उत्तम है। तीसरा आसन है कटि-चक्रासन, जिसमें हम अपने मेरूदंड को मोड़कर शरीर के विभिन्न आंतरिक अंगों को निचोड़ते हैं। इससे शरीर के प्रत्येक अंग, पेशी और जोड़ में सुचारू रूप से रक्त का संचार होता है। चौथा अभ्यास है सूर्य नमस्कार, जिसमें मुख्यतः आगे और पीछे झुकने वाले आसन हैं। इन चार अभ्यासों द्वारा हम शरीर को पांच तरह की अवस्थाओं में लाते हैं झ सीधा तानना, पार्श्व की ओर झुकना, मोड़ना, आगे झुकना और पीछे झुकना।

इन सब अभ्यासों के बाद केवल एक ही आसन करने की जरूरत रहती है झ शरीर को उल्टा करने वाला आसन। यह शरीर पर गुरुत्वाकर्षण के प्रभाव को विपरीत करने के लिए किया जाता है। लेकिन इस समूह के आसन थोड़े कठिन होते हैं। इसलिए इन्हें किसी योग्य प्रशिक्षक के मार्ग-दर्शन में ही सीखना चाहिए। पांच आसनों के अभ्यास के बाद प्रतिदिन दो प्राणायाम जरूरी हैं। पहला है नाड़ी शोधन प्राणायाम, जिसमें दोनों नासिकाओं से बारी-बारी से श्वास लिया और छोड़ा जाता है। यह तंत्रिका प्रणाली की गतिविधियों को संतुलित करने के लिए बहुत प्रभावशाली अभ्यास है, क्योंकि इसके द्वारा अनुकंपी और परानुकंपी तंत्रिका तंत्र में संतुलन आता है और प्राणिक अवरोध दूर होते हैं।स्वामी निरंजनानंद सरस्वती ने इस प्राणायाम पर वैज्ञानिक शोध किए हैं। 1977 में उन्होंने आस्ट्रेलिया में किर्लियन फोटोग्राफी का प्रयोग करते हुए यह अनुसंधान किया। पाया गया कि प्राणशक्ति के ह्रास की भरपाई होती है। दूसरा है भ्रामरी प्राणायाम, जिसमें कंठ से भौरे जैसा गुंजन पैदा किया जाता है। भ्रामरी प्राणायाम के अभ्यास से मस्तिष्क में एक प्रकार की तरंग उत्पन्न होती है जिससे मस्तिष्क, स्नायविक तंत्र और अंतःस्त्रावी तंत्र के विक्षेप दूर होते हैं और व्यक्ति शांति व संतोष का अनुभव करता है। बिहार योग विद्यालय द्वारा कराए गए शोध में यह पाया गया कि जब हम कंठ में गुंजन की ध्वनि पैदा होती हैत तो तब मस्तिष्क के अंदर मैलाटनिन रसायन का उत्पादन होने लगता है। वैज्ञानिक मानते हैं कि सामान्य रूप से इस रसायन का स्त्राव रात को दो बजे से लेकर चार बजे सुबह तक होता है, अन्य समय नहीं। वैज्ञानिकों ने पाया कि दिन के किसी भी समय इस प्राणायाम का अभ्यास करने से मैलाटनिन का उत्पादन होने लगता है। जिसके फलस्वरूप मानसिक तनाव से मुक्ति् मिलती है।

हिट हुई पीएलआई योजनाएं, भारत ने प्रतिस्पर्धी देशों को पछाड़ा, उत्पादन, रोजगार सृजन और आर्थिक विकास में हुई उल्लेखनीय वृद्धि

राष्ट्र निर्माण में पिछले 9 वर्षों से जुटी केंद्र में सत्तारूढ़ मोदी सरकार मौजूदा चुनावी साल में अपनी एक से बढ़कर एक उपलब्धियों को जनता के बीच में ला रही है। इस मामले में पार्टी और सरकार दोनों स्तर पर जिम्मेदार राजनेता व अधिकारी सक्रिय हैं और मोदी सरकार की साहसिक और दूरदर्शितापूर्ण पहलों से अर्जित उपलब्धियों को लोगों को बता रहे हैं। इससे एक ओर जहां प्रतिभाशाली लोग उत्साहित हो रहे हैं, वहीं आमलोगों को इस बात की तसल्ली मिल रही है कि जब सरकार बेहतर परफॉर्म कर रही है तो देर सबेर उसका लाभ उन्हें भी मिलेगा और मिल भी रहा है। जिस तरह से पीएलआई योजनाएं हिट हुई हैं और उत्पादन, रोजगार सृजन और आर्थिक विकास में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है, भारत और भारतवासियों के लिए उसका दूरगामी महत्व है।

उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) के सचिव राजेश कुमार सिंह की मानें तो पीएलआई योजनाओं के कारण पिछले वित्त वर्ष 2020-21 (यूएसडी 12.09 बिलियन) के मुकाबले वित्त वर्ष 2021-22 में विनिर्माण क्षेत्र में एफडीआई में 76 प्रतिशत (21.34 बिलियन अमेरिकी डॉलर) की उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। हम 3 साल की अवधि के भीतर मोबाइल निर्माण में मूल्यवर्धन को 20 प्रतिशत तक बढ़ाने में सक्षम हैं, जबकि वियतनाम जैसे देशों ने 15 वर्षों में 18 प्रतिशत मूल्यवर्धन हासिल किया है और चीन ने 25 वर्षों में 49 प्रतिशत मूल्यवर्धन हासिल किया है। इस परिप्रेक्ष्य में देखा जाए तो यह एक बड़ी उपलब्धि है। स्पष्ट है कि उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन (पीएलआई) योजनाओं के कारण देश में उत्पादन, रोजगार सृजन, आर्थिक विकास और निर्यात में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। उल्लेखनीय है कि भारत को 'आत्मनिर्भर' बनाने के उद्देश्य से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा परिकल्पित पीएलआई योजनाओं को 14 क्षेत्रों के लिए अपनी उत्पादन क्षमताओं को मजबूत करने और वैश्विक चैंपियन बनाने में मदद करने के लिए 1.97 लाख करोड़ रुपए (लगभग यूएस $ 26 बिलियन) के प्रोत्साहन परिव्यय की नींव पर तैयार किया गया है।

जिन क्षेत्रों के लिए पीएलआई योजनाएं मौजूद हैं और वित्त वर्ष 2021-22 से वित्त वर्ष 2022-23 तक एफडीआई प्रवाह में वृद्धि देखी गई है, वे ड्रग्स और फार्मास्यूटिकल्स (+46 प्रतिशत), खाद्य प्रसंस्करण उद्योग (+26 प्रतिशत) और चिकित्सा उपकरण (+91 प्रतिशत) हैं। पीएलआई योजनाओं ने भारत की निर्यात की सूची को पारंपरिक वस्तुओं से उच्च मूल्य वर्धित उत्पादों जैसे इलेक्ट्रॉनिक्स और दूरसंचार सामान, प्रसंस्कृत खाद्य उत्पादों आदि में बदल दिया है। अब तक, 14 क्षेत्रों में 3.65 लाख करोड़ रुपये के अनुमानित निवेश के साथ 733 आवेदन स्वीकृत किए गए हैं। बल्क ड्रग्स, मेडिकल डिवाइसेज, फार्मा, टेलीकॉम, व्हाइट गुड्स, फूड प्रोसेसिंग, टेक्सटाइल्स और ड्रोन जैसे क्षेत्रों में पीएलआई लाभार्थियों में 176 एमएसएमई शामिल हैं। वहीं, मार्च 2023 तक 62,500 करोड़ रुपये का असल निवेश हो चुका है जिसके परिणामस्वरूप 6.75 लाख करोड़ रुपये से अधिक का उत्पादन/बिक्री हुई है और लगभग 3,25,000 का रोजगार सृजन हुआ है। वित्त वर्ष 2022-23 तक निर्यात में 2.56 लाख करोड़ रुपये का इजाफा हुआ। वित्त वर्ष 2022-23 में 8 क्षेत्रों के लिए पीएलआई योजनाओं के तहत करीब 2,900 करोड़ रुपये प्रोत्साहन राशि के रूप में वितरित किए गए।

ये 8 क्षेत्र इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण (एलएसईएम), आईटी हार्डवेयर, थोक दवाएं, चिकित्सा उपकरण, फार्मास्यूटिकल्स, दूरसंचार और नेटवर्किंग उत्पाद, खाद्य प्रसंस्करण और ड्रोन और ड्रोन घटक आदि हैं। पीएलआई योजना ने प्रमुख स्मार्टफोन कंपनियों जैसे, फॉक्सकॉन, विस्ट्रॉन और पेगाट्रॉन को अपने आपूर्तिकताओं को भारत में स्थानांतरित करने के लिए प्रेरित किया है। नतीजतन, भारत में शीर्ष हाई-एंड फोन का निर्माण किया जा रहा है। इसके परिणामस्वरूप बैटरी और लैपटॉप जैसे आईटी हार्डवेयर में महिलाओं के रोजगार और स्थानीयकरण में 20 गुना वृद्धि हुई है। डीपीआईआईटी के सचिव ने कहा कि भारत में मोबाइल विनिर्माण में मूल्यवर्धन 20 प्रतिशत के बराबर है।

बारात में आए तीन किशोरों की ट्रेन से कटकर दर्दनाक मौत, शादी का माहौल बदला मातम में!

प्रखर एजेन्सी। फरुर्खाबाद जिले के मोहम्मदाबाद कोतवाली क्षेत्र में बरात में आए तीन बच्चों की ट्रेन से कटकर दर्दनाक मौत हो गई। भोर में शौच को गईं गांव की महिलाओं ने शव रेलवे लाइन पर पड़े देखे। तो चीख पुकार मच गई। इज्जतनगर वापी स्पेशल साप्ताहिक ट्रेन से हादसे की आशंका जताई जा रही है। थाना क्षेत्र के गांव जाजपुर बंजारा निवासी रमाकांत शाक्य की पुत्री पूजा की बरात शनिवार रात करीब साढ़े 11 बजे मैनपुरी जिले के भोगांव थाने के गांव सालमपुर से आई थी। बरात में आए सालमपुर के धीरेंद्र का पुत्र रितिक 13 वर्ष, उमेश का पुत्र हरिओम 13 वर्ष व देशराज का पुत्र विनीत 15 वर्ष, गांव से गुजर रही रेल लाइन पर चले गए। इसकी किसी को भनक नहीं लगी। रात करीब डेढ़ बजे तीनों किशोर वहां से गुजरी इज्जतनगर वापी साप्ताहिक स्पेशल ट्रेन की चपेट में आ गए। इससे उनकी दर्दनाक मौत हो गई। डीजे के शोरगुल में किसी को भनक भी नहीं लगी। सुबह करीब चार बजे गांव की महिलाएं रेलवे लाइन की तरफ शौच के लिए गईं। ट्रैक पर शव पड़े देख, चीख पुकार मच गई। बड़ी संख्या में ग्रामीण और बराती एकत्रित हो गए। सूचना पर सीओ अरुण कुमार और इंस्पेक्टर अमर पाल सिंह ने मौके पर पहुंचकर जांच पड़ताल की। फोरेंसिक टीम ने घटनास्थल से साक्ष्य जुटाए हैं। परिजनों ने पोस्टमार्टम कराने से इनकार कर दिया। गांव में मातम पसरा है। जनपद मैनपुरी थाना भोगांव के गांव सालमपुर निवासी धीरेंद्र का रितिक 13 वर्ष इकलौता पुत्र था। धीरेंद्र मजदूरी करके परिवार का भरण पोषण करते हैं। यही नहीं हरिओम और विनीत दोनों ही आपस में चचेरे भाई थे। यह दोनों परिजनों को बिना बताए ही बरात में चले आए। यह दोनों दोस्त होने के नाते परिवार के रितिक को भी अपने साथ ले आए थे। जिस स्थान पर बरात रुकी थी, वहां से घटनास्थल की दूरी बमुश्किल 100 मीटर है। रेलवे लाइन की पोल संख्या 1300 और 1301 के बीच तीनों किशोरों के शव क्षत.विक्षत अवस्था में पड़े मिले।ट्रेन से तीन बराती किशोरों के कटने की सूचना के वक्त तक घर में भात पहनने की रस्म पूरी की जा रही थी। दुर्घटना की सूचना मिलते ही हंसी खुशी के कार्यक्रमों को रोक दिया गया। करीब तीन घंटे बाद दोबारा गमगीन माहौल में विवाह की शेष रस्में पूरी की गईं। पूरे गांव में मातम सा पसर गया।

घुटनों को मजबूत बनाता है उत्कृष्ट आसन : जय सिंह गहलोत

प्रखर जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के मुक्तांगन परिसर में विश्वविद्यालय की ओर से रविवार को चौथे दिन मुख्य प्रशिक्षक जय सिंह गहलोत एवं सहायक प्रशिक्षक विकास सिंह ने ओम नमः शिवाय का जाप, प्राणायाम, कोण आसन, कटिचक्रासन का अभ्यास कराया। योगाभ्यास में शिक्षक, कर्मचारियों विद्यार्थियों ने बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया। मुख्य प्रशिक्षक जय सिंह गहलोत ने कहा कि 1 मिनट में तीन सांस लेने से प्राण ऊर्जा आज्ञा चक्र की तरफ से ऊपर उठती है। इससे मन शांत होता है। ज्योतिष विज्ञान के अनुसार ग्रहों की स्थिति अनुकूल बनती है ? कोणासन से रीड की हड्डी और उदर के अंगों भुजाओं और टांगों की मांसपेशियों की पूरी टोनिंग करता है। घुटनों को मजबूत बनाने के लिए उत्कट आसन कराया। इसमें युवा शिक्षकों, कर्मचारियों एवं छात्रों ने बढ़ चढ़ कर भाग लिया तथा योग को अपने दैनिक दिनचर्या में शामिल करने का प्रण लिया। इस अवसर पर प्रो अजय द्विवेदी, परीक्षा नियंत्रक वीएन सिंह, उपकुलसचिव अमृतलाल, श्रीमती बबिता सिंह,एनएसएस समन्वयक डॉ राजबहादुर यादव, डॉ मनोज कुमार पाण्डेय, , डॉ विवेक पाण्डेय, डॉ पुनीत सिंह, डॉ विनय वर्मा, मदन मोहन भट्ट, संतोष यादव, राजेंद्र प्रताप सिंह, राजन गुप्ता, रजनीश सिंह समेत विद्यार्थियों, कर्मचारियों, परिवार जनों एवं सुरक्षा कर्मियों ने प्रतिभाग किया।

साइकिल सवार अधेड़ की ट्रैक्टर के धक्के से मौत

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। वाराणसी गोरखपुर फोरलेन हाईवे पर थाना नंदगंज के सहेड़ी में साइकिल से घर जा रहे एक अधेड़ व्यक्ति की ट्रैक्टर के धक्के से मौत हो गई। घटना के बाद चालक कुछ दूरी पर ट्रैक्टर खड़ा करके भाग गया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजने के साथ ट्रैक्टर को कब्जे में लेकर थाने ले आई। मिली जानकारी के अनुसार सहेड़ी गांव निवासी मिठाई गौड़ उम्र 50 वर्ष सहेड़ी चट्टी से सामान की खरीदारी कर अपने घर जा रहे थे तभी हाईवे पर तेज रफ्तार से आ रहे ट्रैक्टर ने जोरदार धक्का मार दिया। जिससे वह उछलकर कुछ दूरी पर जा गिरे और बुरी तरह से घायल हो गए। दुर्घटना के बाद आसपास के लोग एकत्रित होकर पुलिस को सूचना दिए। मौके पर पहुंचे रजादी चौकी इंचार्ज रमेश पटेल ने घायल अधेड़ को एंबुलेंस द्वारा जिला अस्पताल के लिए ले गए जहां कुछ ही देर में चिकित्सा के दौरान मौत हो गई। मौत की सूचना पाते ही घर में कोहराम मच गया। लोग भागे भागे अस्पताल पहुंचे। रजादी चौकी प्रभारी रमेश पटेल ने बताया की शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। परिजनों की तहरीर पर ट्रैक्टर चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच की जा रही है। मृतक अपने पीछे पत्नी सहित दो लड़की और दो लड़का छोड़ गया है। जानकारी के अनुसार मृतक के घर की माली हालत ठीक नहीं है, उनके ऊपर ही पूरे घर का बोझ था।

जनपद कारागार में हुआ योग शिविर का आयोजन, परिजनों को पिलाया शीतल शरबत

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस 1 जून को मनाने की तैयारियां देशभर में शुरू हो गई है। उसके पूर्व 15 जून से 21 जून तक लोगों को विभिन्न तरह से योगाभ्यास करा कर उन्हें स्वस्थ रखने एवं जागरूक करने का प्रयास किया जा रहा है। इसी क्रम में आज जिला कारागार में योग शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें जेल में निरुद्ध 175 बंधुओं ने योग शिविर का लाभ उठाया। जिला कारागार में योग शिविर का आयोजन किया गया जिसमें नवम अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस को सफल बनाने के लिए योग प्रशिक्षण दिया गया। आजादी का अमृत महोत्सव के अंतर्गत कारागार के कर्मचारियों एवं बंधुओं को हर घर योग आंगन योग 23 के तहत सूक्ष्म व्यायाम, वज्रासन, मंडूकासन, ताड़ासन, तिर्यक ताड़ासन, सिंहासन, ताली वादन, हास्यासन आदि योगासनों की लाभदायक जानकारी के साथ अभ्यास कराया गया। साथ ही भस्त्रिका, कपालभारती, अनुलोम विलोम, उज्जायी, उद्गीत, भ्रामरी प्राणायाम कराया गया। शिविर के पश्चात अत्याधिक गर्मी व लू से बचाव हेतु जेल में निरुद्ध बंदियों से आए मुलाकाती परिजनों को जेल प्रशासन के तत्वाधान में शीतल पर शरबत खिलाकर परिजनों को गर्मी व लू से राहत देने का प्रयास किया गया।

महेंद्र कुमार बने यूपी माध्यमिक शिक्षणेत्तर संघ के जिलाध्यक्ष

प्रखर जौनपुर। उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षणेत्तर संघ के जौनपुर जिलाध्यक्ष महेंद्र कुमार यादव को बनाया गया। उन्हें काशी कृषक इंटर कॉलेज परिसर में आयोजित प्रांतीय शपथ ग्रहण समारोह में पद एव गोपनीयत की शपथ दिलाई गई। उन्होंने कर्मचारियों की समस्याओं को निदान करवाना अपनी पहली प्राथमिकता बताया। उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षणेत्तर संघ का प्रांतीय ग्रीष्मकालीन संगोष्ठी एवं शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन हरहुआ के कृषक इंटर कॉलेज परिसर में आयोजित किया गया। जिसमें उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षणेत्तर संघ (यूपी एजुकेशनल मिनिस्ट्रियल एसोसिएशन) के प्रदेश अध्यक्ष आलोक सिंह चौहान ने जौनपुर जिले के जिलाध्यक्ष के मनोनयन घोषणा की जिसमें बृजेश इंटर कॉलेज गुलालपुर जौनपुर में तैनात लिपिक महेंद्र कुमार यादव को जौनपुर जिले का जिलाध्यक्ष बनाया। मौके पर मुख्य अतिथि उच्च न्यायालय प्रयागराज के वरिष्ठ अधिवक्ता रंजन श्रीवास्तव ने पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई गई। मौके पर उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षणेत्तर संघ के कार्यकारी अध्यक्ष महावीर प्रसाद श्रीवास्तव, कोषाध्यक्ष शैलेंद्र गिरी, प्रदेश महामंत्री मुकेश सिंह सिकरवार, उपाध्यक्ष अवधेश बहादुर सिंह, मुकेश सिंह, शैलेश चौहान , प्रदेश मंत्री संतोष सिंह, उमेश हचंद्र गुप्ता ,वहीद अहमद, रविंद्र कुमार त्रिपाठी, शेषनाथ पाल, राकेश कुमार, वेद प्रकाश शुक्ला मौजूद रहे। जौनपुर जिले के देवकली के मूल निवासी नवनियुक्त जिलाध्यक्ष महेंद्र कुमार यादव ने कहा कि कर्मचारियों की शिक्षणेत्तर पद पर पदोन्नत ,सेवानिवृत्त पर 300 दिनों की अर्जित अवकाश का नकदीकरण, राजकीय कर्मचारियों की भांति कैशलेस चिकित्सा सुविधा , पदोन्नत पर 22 बी के अंतर्गत एवं एक वेतन वृद्धि का लाभ हेतु प्रमुख मांगों में प्रमुखता से रहेगी और कर्मचारी समस्याओं का निराकरण ही पहली प्राथमिकता होगी । इस अवसर पर कर्मचारियों शिक्षकों उन्हें बधाई दिया ।

प्रधानमन्त्री द्वारा मन की बात के 102वें संस्करण का आयोजन संपन्न

साधारण लोंगों के असाधारण कार्यों से रुबरु कराता है मन की बात का प्रसारण - सौरभ कुमार सिंह मुन्ना

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। दुति के जलस्रोतों सहेजते जल सरंक्षण के लिए नये तालाबों का निर्माण कराते तुलसी राम यादव नैनीताल की मिनासी सिंह ,हिमाचल प्रदेश की नन्ही नलनी सिंह क्षयरोग मुक्त भारत मे अपना योगदान देते या केरल के मियावकी तकनीक से पर्यावरण को हरा भरा करते रामनाथ रामी आप सभी को आज मन की बात के जरिये सारा देश जान गया आप का कार्य आपको देश का वास्तविक हीरो बना दे रहा हैं देश की तरक्की में आपका योगदान बहुत ही सार्थकता प्रदान करता है एक सामान्य परिवेश से आने वाले भी आज देश के फलक पर अपनी चमक बिखर रहे हैं ये सिर्फ मन की बात कार्यक्रम के जरिये ही सम्भव हुआ` आज प्रधान सेवक नरेंद्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम से अनेकों अनेक लोग प्रेणना लेते हैं कितने ही साधारण लोग अपने असाधाहरण कार्य से इस मन की बात से आज अपनी अलग ही पहचान बना रहे हैं व आम लोगों की प्रेणना बन रहे हैं` काशी क्षेत्र के महामंत्री अशोक चौरसिया के सानिध्य में सिगरा स्थित सौरभ कुमार मुन्ना के आवास में मन की बात कार्यक्रम को सुना गया` सौरभ कुमार सिंह मुन्ना, सुधीर जयसवाल,संतोष सिंह, राहुल जयसवाल, आनन्द सिंह बंटी गौरव पांडेय, विनय सिंह, भगवानदास प्रजापति, रामप्रसाद, पंकज छतवानी, लक्ष्मी चौरसिया, राजकुमार चौरसिया, शशि यादव लखन बिंद, सन्तोष गुप्ता, मनीष आहूजा आनन्द सिंह पोलू, रवीं मौर्य, श्याम सुंदर, मनीष आहूजा, अरुण वर्मा, अभय चौरसिया, फूलचंद प्रकाश अशोक हिमानी, सतीश सिंह, जयराम दास, लालचन्द्र, शिवम श्रीवास्तव, मनोज वर्मा आदि सम्मानित बंधुगण उपस्थित रहे।

महंत अभयानंद महाराज की द्वितीय पुण्य तिथि पर संत समाज भंडारे में हुए शामिल

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। राजघाट स्थित यमुनेश्वर आश्रम में महंत अभयानंद महाराज की द्वितीय पुण्यतिथि पर दो दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया प्रथम दिन रामचरितमानस पाठ से कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया एवं दूसरे दिन संत समाज भारी संख्या में पूर्ण तिथि के अवसर पर शामिल हुए इस अवसर पर महंत वैभव गिरी महाराज के देखरेख में भंडारे का आयोजन संपन्न कराया गया और सभी आए हुए संत समाज भक्तों को महाप्रसाद एवं दक्षिणा देकर विदाई की गई` इस अवसर पर महंत वैभव गिरी महाराज ने बताया कि यह परंपरा कई वर्षों से चली आ रही है इसी कड़ी में पूर्ण तिथि के अवसर पर महंत अभयानंद महाराज की द्वितीय पुण्यतिथि मनाई गई जिसमें साधु संत महंत पीठाधीश्वर पधारें एवं इस अवसर पर एक भंडारे का आयोजन भी किया गया है भंडारे में मुख्य रूप से धनंजय कुमार सिंह विद्यानंद भारती मठ, सियाराम दास महामंडलेश्वर पंच दशनाम जूना अखाड़ा, अभी मुक्तानंद गिरी महाराज, रामेश्वर दास, रामदास धनुषधारी ,मोहन दास महाराज एवं सैकड़ों की संख्या में संत महंत भक्त भंडारे में शामिल हुए।

आग लगने से दो मकान हुए खाक

प्रखर खेतासराय जौनपुर। स्थानीय थाना क्षेत्र के चक मारूफपुर गांव में शनिवार की देर शाम अज्ञात कारणों से लगी आग ने दो घरों को खाक कर दिया। आग की लपटें इतनी वीभत्स थी कि काफी देर तक धुंआ उठता रहा। ग्रामीणों के अथक प्रयास से आग पर काबू पाया गया। उक्त गांव के कन्तलाल बिन्द, बसन्त बिन्द के घर मे रहस्यमय आग से काफी दबाही हुई। घर मे रखें राशन और गृहस्थी का रखा सामान जल कर नष्ट हो गया। कई पशु भी आग के चपेट में आये। भजपा नेता राम सबद बिंद ने प्रशासन से प्रभवित लोगों की मदद के लिए गुहार लगाई है।

उप शाखा डाकघर मेहनगर पर नहीं खुल रहा खाता उपभोक्ताओं ने भड़का आक्रोश

प्रखर मेहनगर आजमगढ़। स्थानीय उप शाखा डाकघर मेंहनगर से संबंधित 14 ग्रामीण डाक घर स्थित है, उप शाखा डाकघर में कर्मचारियों की मनमानी से ग्रामीण पोस्टमास्टर सहित उपभोक्ताओं परेशान है। बताते चलें कि ग्रामीण डाक पाल द्वारा सरकार की जन सरोकार से जुड़ी योजनाओं को डाक विभाग के माध्यम से संचालित बचत खाता, आरडी, सुकन्या, का खाता माह जनवरी, फरवरी-मार्च तथा अप्रैल-मई में ग्रामीण डाक पाल द्वारा खोला गया था। ग्रामीण डाक घर से खाता खोलने के बाद उप शाखा डाकघर मेहनगर पर भेजा जाता है, वहां से अकाउंट नंबर मिलता है तथा पासबुक के साथ जिस डाकघर से खाता खोला जाता है वहां पर भेजा दिया जाता है। ताकि उपभोक्ता समय से आरडी, बचत खाता ,सुकन्या का पैसा समय से जमा करा सके। उप शाखा डाक घर पर तैनात कर्मचारियों की लापरवाही व गैर जिम्मेदारी की वजह से शाखा डाकघर पर उपभोक्ताओं का खाता ठप पड़ा है, जिससे उपभोक्ता ग्रामीण डाक घर का चक्कर काट कर परेशान है। ग्रामीण डाक पाल ने इसकी शिकायत मंडली डाक निरीक्षक लालगंज शशि भूषण यादव से किया। शिकायत के क्रम को गंभीरता से लेते हुए गुरुवार की देर शाम उप शाखा डाकघर का श्री यादव ने औचक निरीक्षण किया जहां 300 खाता के फार्म पाये गए जो नहीं खोले गये थे। डाक निरीक्षक ने अपने सामने बंडल बनाकर सील कराया व साथ लेकर लालगंज चले गये, जिसे लेकर उप शाखा डाकघर मेहनगर में अफरा-तफरी का माहौल रहा। इस बाबत डाक निरीक्षक से पूछे जाने पर बताया कि आरडी, बचत खाता, सुकन्या का खाता खोला गया है , मेहनगर उप शाखा डाकघर के कर्मचारियों की लापरवाही की वजह से समय से खाता न खुलने की दशा में फार्म जप्त कर जांच के लिए भेजा गया है।फार्म की जांच की जा रही है इसमें जो भी दोषी पाया जाएगा उसके विरुद्ध कार्यवाही की जायेगी इसकी चर्चा उप शाखा डाकघर से लेकर ग्रामीण डाक घरो में जोरों पर है।

जब कश्मीरी लड़की पर आया दिल तो पत्नी को भेज दिया तिलाक रूपी बिल

पीड़िता ने दहेज उत्पीड़न बताते हुए पुलिस से लगाई न्याय की गुहार

प्रखर आजमगढ़। जिला के रानी की सराय थाना में प्रार्थना पत्र देते हुए शाहीन बानो पुत्री सुफियान अहमद ग्राम आँवक पोस्ट सिरसाल ने बताया कि उसका निकाह अशहद खान पुत्र इरफान अहमद आजमी निवासी ग्राम खुनदनपुर पोस्ट भोपालपुर थाना मेहनगर जनपद आजमगढ़ हॉल मुकाम ङ-108 गली नम्बर 05 अबुलफजल इंक्लेव पार्ट-1 ओखला जामिया नगर दक्षिण दिल्ली के साथ इस्लाम रीति रिवाज के साथ सम्पन्न हुआ था। निकाह के बाद वह अपने पति के साथ अपनी ससुराल आयी और दो दिन तक ससुराल में रही, उसके बाद अपने पति के साथ दिल्ली में रहने लगी। इस दौरान उसके 4 बच्चे सालेहा खान, माज खान, आफिया खान, आयत खान पैदा हुए। बड़ी लड़की सालेहा खान की बीमारी की वजह से मौत हो गई। पीड़िता ने आरोप लगाया कि कुछ दिन बाद मेरे पति के चाल चलन व बातचीत में बदलाव नजर आने लगा। मेरे पति सहित ससुराल वालों द्वारा कारोबार करने के नाम पर मुझसे दहेज के रूप में 50 लाख रुपए और एक स्कॉर्पियो गाड़ी की मांग की जाने लगी। जब मैंने अपने पिता की आर्थिक स्थिति ठीक नहीं होना बताया तो ससुराल वालों द्वारा मेरे साथ मारपीट और मेरा उत्पीड़न शुरू कर दिया गया। इस बीच मेरे पति ने एक कश्मीरी लड़की के साथ अवैध संबंध बना लिया और उससे निकाह कर लिया। जब मैंने इसका विरोध किया तो ससुराल वालों ने मुझे मारपीट कर घर से निकाल दिया। मैं दिल्ली में अपने बच्चों के साथ सड़कों पर भटकती रही। जब मेरे पिता को इस घटना की जानकारी हुई तो वह दिल्ली आकर 6 जून को मुझे आँवक आजमगढ़ मायके लेकर आए। 8 जून को एक अज्ञात नंबर से मेरे पति द्वारा मुझको फोन करके तीन तलाक दे दिया गया। परेशान हाल पीड़िता ने रानी की सराय थाने में प्रार्थना पत्र देकर न्याय की गुहार लगाई है। रानी सराय पुलिस प्रार्थना पत्र लेकर घटना की जांच कर रही है।

भाजपा कार्यकर्ताओं ने पीएम के मन की बात को सुना

प्रखर खेतासराय (जौनपुर)। नगर पंचायत खेतासराय में प्रधानमंत्री के मन की बात कार्यक्रम के तहत नगर के प्रतिष्ठान संजय इंजीनियरिंग वर्कशाप पर सभी कार्यकताओं द्वारा प्रधानमंत्री के मन की बात को सुना गया। जिसमें मुख्य रूप से भाजपा के वरिष्ठ कार्यकर्ता कपूर चन्द , जिला कार्यसमिति सदस्य गजेंद्र पांडेय , नगर अध्यक्ष उद्योग व्यापार मंडल संजय विश्वकर्मा , उषा मौर्या , मण्डल महामंत्री मनीष गुप्ता ,मण्डल मंत्री राजकेशर , युवा मोर्चा मण्डल अध्यक्ष आदर्श श्रीवास्तव , अल्पसंख्यक मोर्चा मण्डल अध्यक्ष नौशाद , युवा मोर्चा मण्डल उपाध्यक्ष सत्यम गुप्ता , युवा मोर्चा मण्डल मंत्री आकाश सोनी , युवा मोर्चा सोशल मीडिया प्रभारी सचिन सोनी, युवा मोर्चा कार्यकारिणी सदस्य वंश श्रीवास्तव तथा सभी देवतुल्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

वाराणसी में गंगा नदी के नमो घाट पर एनडीआरएफ बचाव कर्मियों ने किया योगाभ्यास

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। मनोज कुमार शर्मा, उपमहानिरीक्षक, 11 एनडीआरएफ, वाराणसी ने दीप प्रज्वलित कर वाराणसी में गंगा नदी के तट पर स्थित नमो घाट पर योगाभ्यास कार्यक्रम का शुभारंभ किया इस भव्य योगाभ्यास में एनडीआरएफ बचाव कर्मियों के साथ स्थानीय लोगों तथा सामाजिक संस्था सृजन, गोवर्धन पूजा समिति वाराणसी के सदस्यों ने पूरे उत्साह से भाग लिया` पतंजलि योगपीठ हरिद्वार से आये हुये कुशल योग प्रशिक्षकों के मार्गदर्शन में बचाव कर्मियों ने विभिन्न प्रकार के आसन और प्राणायाम किए। इस अवसर पर मनोज कुमार शर्मा, उपमहानिरीक्षक ने अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की अग्रिम बधाई देते हुए बताया कि योग से न केवल व्यक्ति का तनाव दूर होता है बल्कि मन और मस्तिष्क को भी शांति मिलती है योग बहुत ही लाभकारी है। योग एवं प्राणायाम के नियमित अभ्यास से ही हम गंभीर बीमारियों के होने से बच सकते हैं साथ ही उससे मुक्ति भी पा सकते हैं योग केवल व्यायाम तक ही सीमित नहीं है बल्कि कोरोना जैसी महामारी और आपदाओं से लड़ने के लिए शारीरिक और मानसिक शक्ति भी प्रदान करता है भारत सरकार के प्रयास से योग को अंतर्राष्ट्रीय स्तर तक पहुंचाया जा रहा है जिसमें हम सभी का भी ये दायित्व बनता है कि हम अपने आस-पास लोगों को योग एवं स्वास्थ्य के लिए प्रेरित करें। नमो घाट पर गंगा की स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण को लेकर अनिल सिंह अध्यक्ष सृजन सामाजिक विकास न्यास द्वारा शपथ के साथ कार्यक्रम का समापन किया गया।

काशी के कोतवाल बाबा श्री काल भैरव की स्वर्ण रजत पंचबदन प्रतिमा की भव्य 70वां शोभायात्रा 20 जून को

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। काशी के कोतवाल बाबा श्री काल भैरव की वर्ष 1954 में निर्मित स्वर्ण रजत पंचबदन प्रतिमा की भव्य 70वां शोभायात्रा 20 जून 2023 मंगलवार को प्रातः 7:00 चौखंभा स्थित काठ की हवेली से स्वर्णकार क्षत्रिय कमेटी वाराणसी के तत्वावधान में निकाली जाएगी `अध्यक्ष कमल कुमार सिंह ने बताया कि 70वें शोभायात्रा में सर्वप्रथम आगे पुलिस घुड़सवार चलेंगे उनके साथ ताशा बाजा के साथ भक्तगण ध्वजा पताका लिए अग्रिम भक्ति में चलेंगे साथ ही कमेटी के संस्थापक द्वय स्वर्गीय किशुनदास जी और स्वर्गीय भीकू सिंह की तस्वीर भी सुसज्जित रथ पर चलेगी बैंड पार्टी सुमधुर धुन बिखरते चलेंगे साथ में माता स्वरूप प्रतिमाएं अपने करतब दिखाते हुए चलेंगी` 11 सुसज्जित और छतरी युक्त घोड़ों पर देव प्रतिमाएं राम, लक्ष्मण, भरत, शत्रुघ्न, हनुमान, शंकर, गणेश, नारद, ब्रह्मा जी के साथ दो दरबार भी विराजमान रहेंगे साथ ही पाइप बैंड का आकर्षण भी रहेगा। कमेटी के अध्यक्ष कमल कुमार सिंह ने बताया कि शोभायात्रा के दौरान शंकर - पार्वती, राधा - कृष्ण, दुर्गा जी, काली जी, हनुमान जी की भी आकर्षक झांकी रहेगी इवेंट प्लानर की टीम नीरज सेठ के नेतृत्व में रास्ते भर भजन प्रस्तुत करती रहेगी। अध्यक्ष ने बताया कि गोविंदेश्वर महादेव की आकर्षक झांकी तथा डमरू दल भी शोभायात्रा के केंद्र बिंदु होंगे शोभायात्रा के अंत में शहनाई के साथ फूलों से सुसज्जित बाबा का स्वर्णिम रथ होगा। अध्यक्ष कमल कुमार सिंह ने बताया कि शोभायात्रा के स्वागत हेतु विभिन्न सामाजिक संगठनों तथा बाबा के भक्तों द्वारा लगभग 40 स्थानों पर पूजा-अर्चना भी होगी। उन्होंने बताया कि भव्य शोभायात्रा की कुशल संचालन हेतु शोभायात्रा मंत्री जनार्दन वर्मा के सहयोगी के रुप में कमेटी के पदाधिकारियों का टीम बनाया गया है। कमेटी के महामंत्री सतीश कुमार सिंह ने बताया कि शोभायात्रा काठ की हवेली चौखंभा से प्रारंभ होकर बीबी हटिया, जतनबर, विशेश्वरगंज, महामृत्युंजय, दारानगर, मैदागिन, बुलानाला, चौक, नारियल बाजार, गोविंदपुरा, ठठेरी बाजार, सोराकुंआ, गोलघर, भुतही इमली होते हुए काल भैरव मंदिर पर जाकर संपन्न होगा महामंत्री ने बताया कि बाबा की स्वर्ण रजत प्रतिमा मंदिर में प्रतिस्थापित कर भव्य श्रृंगार व पूजन किया जाएगा` सायंकाल पंडित लक्ष्मीकांत दीक्षित के आचार्य में बसंत पूजा होगी तथा रात्रि समयानुसार 11:00 बजे तक दर्शन पूजन का कार्य चलता रहेगा तथा महाआरती के पश्चात श्रृंगार कार्यक्रम संपन्न होगा उन्होंने बताया कि मंदिर प्रांगण से भी टीम बनाकर प्रसाद वितरण की व्यवस्था की गई है। शोभायात्रा एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम मंत्री जनार्दन वर्मा ने बताया कि शोभायात्रा के आयोजन में मीडिया संयोजन का प्रभार डॉ कैलाश सिंह विकास एवं किशोर सेठ को सौंपा गया है पूरे मंदिर परिसर से भैरवनाथ चौराहे से लेकर कालभैरव द्वार तक विद्युत झालरों इत्यादि तथा फूल मालाओं से भव्य सजावट किया जाएगा उन्होंने काशी की धर्म पारायण जनता से अपने प्रतिष्ठानों को दोपहर 1:00 बजे तक बंद कर शोभायात्रा में सपरिवार शामिल होने की अपील की साथ ही आग्रह किया कि मंदिर में सपरिवार दर्शन कर अपने जीवन को धन्य बनाएं। शोभायात्रा मंत्री जनार्दन वर्मा ने बताया कि शोभायात्रा के मार्गो की मरम्मत, गोलघर में लगे लोहे के एक गार्डर को निकालने, चूने का छिड़काव, सफाई व्यवस्था तथा मंदिर क्षेत्र में प्रकाश की व्यवस्था के लिए विगत दिनों नगर आयुक्त व कोतवाली जोनल अधिकारी को पत्र सौंपा गया है। पत्रकार वार्ता के दौरान अध्यक्ष कमल कुमार सिंह, महामंत्री सतीश कुमार सिंह, शोभायात्रा मंत्री जनार्दन वर्मा, कोषाध्यक्ष विष्णु सेठ, श्यामसुंदर सिंह, कृष्ण कुमार सेठ, डॉ कैलाश सिंह विकास, किशोर सेठ, घनश्याम सेठ, अनुज गौतम, राजू वर्मा, श्याम कुमार सर्राफ सहित इत्यादि लोग उपस्थित रहे।

संक्षिप्त खबरें

कस्तूरबा बालिका इंटर कॉलेज के प्रांगण में महिला सशक्तिकरण के संबंध में किया गया जागरूक

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। महिला मिशन के अंतर्गत चलाएं जा रहे अभियान के परिपेक्ष में कस्तूरबा बालिका इंटर कॉलेज के प्रांगण में महिला सशक्तिकरण के संबंध में जागरूक किया गया इसमें सहायक पुलिस आयुक्त कैंट ,प्रभारी निरीक्षक कैंट, चौकी प्रभारी अर्दली बाजार तथा महिला मिशन के नोडल उप निरीक्षक रंजना उपाध्याय व अन्य महिला कांस्टेबल मौजूद रहे।

मां मनसा देवी मंदिर पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने सुने पीएम के मन की बात

प्रखर रामनगर वाराणसी। देश के यशस्वी प्रधानमंत्री जी के मन की बात कार्यक्रम में आज दिनांक 18/06/2023 को वार्ड नंबर 65 पुराना रामनगर में मां मनसा देवी के मंदिर पर अपने क्षेत्र के लोगों के साथ मोदी जी की मन की बात सुना गया।जिसमें मुख्य रुप से धर्मेश्वर सिंह, राजकुमार सिंह,पूर्व पार्षद रितेश कुमार पाल, जवाहर यादव,अभय मिश्रा,संजय चतुर्वेदी, राजकुमार सिंह पटेल, आशीष गुप्ता,शुभम बारी, अमन सोनी, अमित जायसवाल, मयूर शर्मा, अंकित राय, बाबू खान, जय किसन जयसवाल गुलाब बिन्द, शंकर, आदि लोग उपस्थित रहे।

भारत विकास परिषद वाराणसी द्वारा परिषद बोध कार्यशाला का आयोजन

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। भारत विकास परिषद वाराणसी द्वारा परिषद बोध कार्यशाला का आयोजन रविवार को लक्सा स्थित एक रेस्टोरेंट में किया गया` इस कार्यशाला में विभिन्न संकल्प प्रमुखों को उनके दायित्व के प्रति बताया गया और उन्हें क्या कार्य कैसे करने है भारत को जानो, महिला एवं बाल विकास, पर्यावरण, संकृति माह, विकलांग सहायता,वनवासी कल्याण आदि प्रकल्प प्रमुखों को प्रशिक्षित किया गया` राष्ट्रीय अध्यक्ष, बी के जी ऑन लाइन, निर्मल जोशी, राष्ट्रीय वाइस चेयरमैन संपर्क, ब्रह्मानंद पेशवानी, प्रांतीय अध्यक्ष प्रवीण पटेल,प्रांतीय महामंत्री रवि प्रकाश जायसवाल,प्रांतीय कोषाध्यक्ष राकेश गुप्ता, क्षेत्रीय महामंत्री नवीन श्रीवास्तव,रिजनल सचिव कविता शाह आदि ने अपने विचार व्यक्त किए` कार्यशाला की अध्यक्षता रंजना केशरी, संचालन महामंत्री राजेश जायसवाल एवं विषय वस्तु की प्रस्तुति संगीता शाह ने किया। धन्यवाद प्रकाश कोषाध्यक्ष अजीत भागचंदानी ने किया।

बिहार सरकार के मंत्री ने उद्यमियों के साथ की बैठक

प्रखर पिंडरा वाराणसी। बिहार सरकार में उद्योग मंत्री समीर महासेठ के रविवार को करखियाव स्थित एग्रो पार्क पहुँचने पर उद्यमियों ने स्वागत किया। इस दौरान मंत्री ने उद्यमियों के साथ बैठक कर बिहार में उद्योग लगाने हेतु आमंत्रित किया। बिहार सरकार के मंत्री रविवार को सुबह 11 बजे करखियाव स्थित एग्रो पार्क पहुँचे। जहाँ एग्रो पार्क इंडस्ट्रीज एसोसिएशन के अध्यक्ष मनोज मद्धेशिया ने बुके देकर स्वागत किया। वही उद्यमियों के बीच हुई बैठक के दौरान मंत्री समीर महासेठ ने कहाकि बिहार में उद्योग लगाए सरकार पूरा सहयोग करेगी। इसके लिए सिंगल विंडो सिस्टम लागू किया जाएगा। एक जगह से ही सारी औपचारिकता पूरी होगी। जमीन में भी नियमानुसार छूट दी जाएगी। जिसपर उद्यमियो ने उन्हें आश्वस्त किया। इस दौरान उद्यमी मनोज मद्धेशिया, आनन्द जायसवाल, शुभम अग्रवाल, बृजेश गुप्ता, रवि गुप्ता, शुभम गुप्ता व रवि जायसवाल समेत अनेक उद्यमी रहे।

शादी की दूसरी सालगिरह पर दंपत्ति की बुलेट खड़ी ट्रक में भिड़ी, पति की मौत पत्नी गंभीर

प्रखर मिजार्मुराद वाराणसी। वाराणसी जनपद के मिजार्मुराद क्षेत्र अंतर्गत खजूरी पेट्रोल पंप के सामने राष्ट्रीय राजमार्ग 2 पर रविवार की सुबह शादी की दूसरी सालगिरह पर दंपत्ति दर्शन करने जा रहे थे कि बुलेट ट्रक से टकरा गई। जिसमें दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। हॉस्पिटल ले जाते समय पति की मौत हो गई। वहीं पत्नी जिंदगी और मौत से जूझ रही है। बता दें कि दंपत्ति शीतला माता का दर्शन करने अदलपुर मिजार्पुर जा रहे थे कि अनियंत्रित होकर बुलेट खड़ी ट्रक में जा गिरी उसके बाद दोनों गंभीर रूप से घायल होकर सड़क पर गिर गए सूचना पर पहुंची पुलिस ने दोनों को इलाज हेतु एंबुलेंस से ट्रामा सेंटर भेजा, लेकिन रास्ते में पति की मौत हो गई। दंपत्ति मिजार्मुराद क्षेत्र के लेडूवाई निवासी गणेश कुमार मिश्रा 28 वर्ष पत्नी प्रिया मिश्रा 25 वर्ष के साथ अपनी शादी की दूसरी सालगिरह पर रविवार के तड़के बुलेट पर सवार होके मां शीतला जी का दर्शन करने अदलपुर मिजार्पुर के लिए निकले थे कि खजरी स्थित पेट्रोल पंप के सामने पहले से खड़ी ट्रक के पिछले हिस्से में अनियंत्रित बुलट लड़ गई। जिससे दोनों दंपत्ति सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो कर गिर गए। बता दें कि मृतक को 5 माह की बच्ची है। मृतक गणेश मिश्रा बी फार्मा कर अहमदाबाद में रहकर एक दवा कंपनी में काम करता था। 1 सप्ताह पूर्व अपनी दूसरी सालगिरह पर घर आया हुआ था। मौत के बाद परिवार में कोहराम मचा हुआ है और पत्नी जिंदगी और मौत से संघर्ष कर रही है।

बिपरजॉय के 36 घंटे बाद भी

गुजरात के कई शहरों में बारिश और बाढ़

● द्वारका/राजकोट/कच्छ

बिपरजॉय तूफान कच्छ के तट से 15 जून की रात को टकराया था। इसके 36 घंटे बाद भी सौराष्ट्र-कच्छ समेत उत्तर गुजरात के कई शहरों में बारिश जारी है। बनासकांठा में बारिश से बनास नदी का पानी आबू रोड तक पहुंचने पर पालनपुर-अंबाजी हाईवे बंद कर दिया गया है। पालनपुर के कई इलाके पानी में डूब गए हैं। शक्तिपीठ अंबाजी में बाढ़ के चलते राजस्थान और गुजरात से आने वाले श्रद्धालुओं को लौटाया जा रहा है। तूफान से पाटण में बने गुजरात के सबसे बड़े सोलर प्लांट को भारी नुकसान पहुंचा है। तेज हवाओं से चारणका प्लांट में सोलर पैनल झुक गए हैं और इलाके में पानी भर गया है। बाढ़ की वजह से पाटण के सैकड़ों गांवों का संपर्क टूट गया है। तूफान के बाद कच्छ के मांडवी में बाढ़ जैसे हालात बन गए हैं। कई इलाके पानी में डूबे हैं। नुकसान का जायजा लेने गृहमंत्री अमित शाह ने कच्छ का हवाई निरीक्षण किया।

तूफान के बीच 700 बच्चों का जन्म

जब तूफान कहर बरसा रहा था, तभी रेस्क्यू कैंप में 700 से ज्यादा बच्चों ने जन्म लिया। तूफान आने से 72 घंटे पहले ही गुजरात सरकार ने 8 हाई रिस्क जिलों से करीब 1 लाख लोगों को रेस्क्यू करके कैंप में भेजा था। इनमें 1,152 गर्भवती महिलाएं भी शामिल थीं।

अब बिपरजॉय ने किया राजस्थान का रूख, बरपाने लगा कहर

जयपुर। राजस्थान में बिपरजॉय अब कहर बरपाने लगा है। चक्रवाती तूफान के असर से शनिवार सुबह से ही बाड़मेर, माउंट आबू, सिरोही, उदयपुर, जालोर, जोधपुर और नागौर में मूसलाधार बारिश हो रही है। 50 से 60 किमी प्रति घंटा की रफ्तार से हवाएं चल रही हैं। बिपरजॉय 17 किमी प्रति घंटा की स्पीड से जोधपुर-पाली की तरफ आगे बढ़ रहा है। बाड़मेर में बाढ़ के हालात बन गए हैं। उधर, खराब मौसम के चलते पाली के जैतारण थाना क्षेत्र में 11केवी बिजली लाइन का तार गिरने से बंजाकुडी गांव की 16 साल की पूजा कुमावत की मौत हो गई।

अब हैदराबाद के कॉलेज में शुरू हुआ बुर्का पर विवाद

हैदराबाद। हैदराबाद के एक कॉलेज में बुर्का पहनी हुई छात्राओं को एग्जामिनेशन हॉल में एंट्री नहीं दी गई। छात्राओं ने बताया कि वे केवी रंगा रेड्?डी डिग्री कॉलेज में उर्दू मीडियम का एग्जाम देने गई थीं, लेकिन बुर्का पहनने की वजह से उन्हें अंदर नहीं जाने दिया गया। छात्राओं का आरोप है कि कॉलेज स्टाफ ने उन्हें कहा कि दूसरे कॉलेज में बुर्का पहनने की इजाजत हो सकती है, पर इस कॉलेज में नहीं है। छात्राओं ने कहा कि उन्हें एग्जाम देने के लिए आधे घंटे तक इंतजार करना पड़ा। बुर्का हटाने के बाद ही उन्हें एंट्री मिली। जिन छात्राओं को बुर्का हटाना पड़ा, उनके पेरेंट्स ने कहा कि हमारे बच्चों को बुर्के की वजह से टारगेट किया गया। एक शख्स ने कहा कि कॉलेज मैनेजमेंट ने पेरेंट्स की रिक्वेस्ट भी नहीं सुनी, बल्कि बेहद बदतमीज स्टाफ को एंट्री गेट पर तैनात कर दिया। इसके बाद पेरेंट्स ने जाकर राज्य के गृहमंत्री से शिकायत की।

कॉलेज में नहीं दी छात्राओं को एंट्री, दावा- आधे घंटे इंतजार कराया, बुर्का हटाने के बाद ही एग्जाम देने दिया

गृहमंत्री बोले- औरतों को ज्यादा कपड़े पहनने चाहिए

इस घटना को लेकर तेलंगाना के गृहमंत्री मोहम्मद महमूद ने कहा कि किसी हेड मास्टर या प्रिंसिपल ने ऐसा किया होगा, लेकिन हमारी पॉलिसी सेक्युलर है। लोग जो चाहें वो पहन सकते हैं, लेकिन अगर आप यूरोपीय परिधान पहनेंगे तो यह सही नहीं होगा। उन्होंने कहा कि हमें अच्छे कपड़े पहनने चाहिए। औरतें खासतौर से, कम कपड़े पहनने से परेशानी होती है। ज्यादा कपड़े पहनने से लोगों को सुकून रहता है। ये कहीं भी नहीं लिखा कि बुर्का नहीं पहना जा सकता है। हम इस घटना पर एक्शन लेंगे।

कर्नाटक से शुरू हुआ था हिजाब विवाद

कर्नाटक में हिजाब विवाद जनवरी के शुरुआत में उडुपी के ही एक सरकारी कॉलेज से शुरू हुआ था, जहां मुस्लिम लड़कियों को हिजाब पहनकर आने से रोका गया था। स्कूल मैनेजमेंट ने इसे यूनिफॉर्म कोड के खिलाफ बताया था। इसके बाद अन्य शहरों में भी यह विवाद फैल गया। मुस्लिम लड़कियां इसका विरोध कर रही हैं, जिसके खिलाफ हिंदू संगठनों से जुड़े युवकों ने भी भगवा शॉल पहनकर जवाबी विरोध शुरू कर दिया था। एक कॉलेज में यह विरोध हिंसक झड़प में बदल गया था, जहां पुलिस को सिचुएशन कंट्रोल करने के लिए टियर गैस छोड़नी पड़ी थी।

अमेरिका में पीएम मोदी को जो सम्मान मिलेगा, वह अतीत में बहुत कम लोगों को मिला : एस जयशंकर

नई दिल्ली, (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अमेरिका यात्रा से पहले केंद्रीय विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने शनिवार को कहा कि, प्रधानमंत्री को जो सम्मान वहां मिलेगा, वह अतीत में कुछ ही लोगों को मिला है। एस. जयशंकर ने बस में यात्रा के दौरान पत्रकारों से बात करते हुए कहा, प्रधानमंत्री अमेरिका की यात्रा पर होंगे। यात्रा का मतलब है कि यह सम्मान के मामले में उच्चतम स्तर है।

उन्होंने कहा कि, प्रधानमंत्री को जो सम्मान मिलता है, अतीत में कुछ ही लोगों को मिला है। मंत्री ने कहा कि, एक अभूतपूर्व कदम के तहत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दूसरी बार अमेरिकी कांग्रेस को संबोधित करेंगे। इससे पहले, नेल्सन मंडेला और विंस्टन चर्चिल जैसे प्रतिष्ठित लोगों ने अमेरिकी कांग्रेस को दो या उससे अधिक बार संबोधित किया है। यही कारण है कि इसका महत्व बहुत बड़ा है।जयशंकर, दिल्ली भाजपा प्रमुख वीरेंद्र सचदेवा, विपक्ष के नेता रामवीर सिंह बिधूड़ी और दक्षिण दिल्ली के सांसद रमेश बिधूड़ी के साथ एक बस में दक्षिण दिल्ली में विकास तीर्थ यात्रा पर निकले थे। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन और प्रथम महिला जिल बाइडेन के निमंत्रण पर प्रधानमंत्री मोदी 21 से 24 जून तक अमेरिका के दौरे पर रहेंगे।

सेना ने सिक्किम में फंसे 3500 टूरिस्ट को बचाया

गंगटोक, (एजेंसी)। उत्तरी सिक्किम के चुंगथांग में शुक्रवार को लैंडस्लाइड (भूस्खलन) और बारिश के कारण सड़क बह गई। इससे वहां फंसे करीब 3,500 टूरिस्ट्स को भारतीय सेना ने बचा लिया है। इनमें कुछ कॉलेज स्टूडेंट्स भी शामिल हैं। शुक्रवार को लाचेन, लाचुंग और चुंगथांग घाटियों में भारी बारिश हुई।

सिक्किम के चुंगथांग में भारी बारिश और भूस्खलन के कारण सड़क का एक हिस्सा बह गया। सेना ने वहां बचाव अभियान चलाकर 3500 टूरिस्ट्स को निकाला।

सिक्किम के चुंगथांग में भारी बारिश और भूस्खलन के कारण सड़क का एक हिस्सा बह गया। सेना ने वहां बचाव अभियान चलाकर 3500 टूरिस्ट्स को निकाला। सड़क संपर्क बहाल करने के प्रयास जारी हैं, जबकि टूरिस्ट्स को निकालने का काम जारी रहेगा। त्रिशक्ति कोर, भारतीय सेना और सीमा सड़क संगठन के जवानों ने कार्रवाई की और भारी बारिश और खराब मौसम में टूरिस्ट्स को बचाने के लिए फ्लैश फ्लड वाली जगह पर एक अस्थायी क्रॉसिंग बनाने के लिए रात भर काम किया।

Filmi तड़का

डायना पेंटी ने खत्म की सेक्शन 84 की शूटिंग

बिग बी संग काम करने का साझा किया अनुभव

मुंबई। अभिनेत्री डायना पेंटी हाल ही में अभिनेता शाहिद कपूर के साथ फिल्म 'ब्लडी डैडी' में नजर आई थीं। अब उन्होंने अपनी अगली फिल्म की शूटिंग खत्म कर ली है। वह जल्द ही हिंदी सिनेमा के महानायक अमिताभ बच्चन के साथ फिल्म 'सेक्शन 84' में नजर आएंगी। फिल्म की शूटिंग खत्म करने और बिग बी के साथ स्क्रीन साझा करने के लिए अभिनेत्री काफी उत्साहित हैं। अभिनेत्री ने सेट से कुछ तस्वीरें साझा करते हुए भावुक नोट लिखा है। डायना ने कुछ बीटीएस तस्वीरें साझा कीं और लिखा कि और यह एक रैप है। मेरे लिए अविश्वसनीय रूप से विशेष यात्रा क्या रही है। इससे पहले कि हम 'सेक्शन 84' की शूटिंग शुरू करें, मैं पहली बार अमिताभ बच्चन के साथ काम करने के लिए उत्साहित थी। उस समय नर्वस भी थी, लेकिन अब जब हम एक साथ एक फिल्म कर चुके हैं तो मैं सुरक्षित रूप से कह सकती हूं कि यह मेरे करियर के सबसे समृद्ध अनुभवों में से एक रहा है। अमिताभ बच्चन आपको और भी बहुत कुछ करने के लिए जगह देते हैं। उन्हें देखना और उनका अवलोकन करना एक मास्टर क्लास देखने जैसा है। पहली तस्वीर में डायना को अमिताभ बच्चन के साथ क्लैपबोर्ड पकड़े देखा जा सकता है। उन्हें सह-कलाकार निमरत कौर और अभिषेक बनर्जी के साथ भी बॉन्डिंग करते देखा जा सकता है।

आज जियो सिनेमा पर रिलीज होगी

रितेश पांडे की फिल्म 'सनम मेरे हमराज'

मुंबई। भोजपुरी सिनेमा के जानेमाने अभिनेता रितेश पांडे की फिल्म 'सनम मेरे हमराज' रविवार 18 जून को जियो सिनेमा पर रिलीज होगी। सनम मेरे हमराज विजय (रितेश पांडे) की कहानी है जो एक आम आदमी है और नौकरी पाने के लिए लंदन जाता है। वहां उसकी मुलाकात एक लड़की काजल (हर्षिका पी.) से होती है जो एक बिजनेस टाइकून राहुल राव की बेटी है और दोनों को प्यार हो जाता है। चूंकि काजल के पिता उनकी शादी के लिए कभी राजी नहीं होंगे, इसलिए दोनों ने भागकर शादी करने का फैसला किया। लेकिन जल्द ही कथानक गहरा हो जाता है क्योंकि हमें पता चलता है कि विजय एक अंडरकवर रॉ एजेंट है! फिल्म के बारे में रितेश पांडे ने कहा, सनम मेरे हमराज भारत में लोगों के सामने आने वाले मुद्दों पर प्रकाश डालता है।

83 साल के 'अल पचीनो' की 29 साल की गर्लफ्रेंड ने दिया बेटे को जन्म

लंदन। हालीवुड अभिनेता अल पचीनो और उनकी प्रेमिका नूर अलफल्लाह ने अपने पहले बच्चे का स्वागत किया है। उन्होंने अपने बेटे का नाम रोमन पचीनो रखा है, जिसकी पुष्टि कपल ने की है। अल पचीनो की पहली प्रेमिका और अभिनय प्रशिक्षक जैन टैरेंट के साथ बेटी जूली मैरी 33 साल की भी हैं। उनकी पूर्व प्रेमिका बेवरली डैंजेलो के साथ भी 22 साल की जुड़वां बेटियां एंटन और ओलिविया हैं, जिनके साथ उन्होंने 1997 से 2003 तक समय बिताया था। बता दें कि अल पचीनो की उम्र 83 साल है और नूर अलफल्लाह 29 साल की हैं।

युगांडा के स्कूल में हमला, 40 की मौत

कंपाला, (एजेंसी)। युगांडा के एक स्कूल में आईएसआईएस से जुड़े संगठन एडीएफ के आंतकियों ने हमला कर दिया। रिपोर्ट के मुताबिक, इसमें 40 लोगों की मौत हो गई, वहीं कई लोग घायल हुए हैं। मृतकों में ज्यादातर स्टूडेंट्स हैं। हमले के बाद आतंकियों ने स्कूल में आग लगा दी। इसमें डॉरमेट्री जल गई वहीं आतंकियों ने फूड स्टोर को लूट लिया।

युगांडा में 25 साल में किसी स्कूल पर हुआ ये सबसे बड़ा हमला है। ये अटैक युगांडा के एलाइड डेमोक्रैटिक फोर्सेस (एडीएफ) ने म्पोंडवे के लुबिरिरा सेकेंडरी स्कूल में किया। इसके अलावा आतंकियों ने 6 लोगों को किडनैप भी किया है। घटना शुक्रवार रात की है। स्कूल युगांडा और कॉन्गो बॉर्डर पर स्थित है। हमला करने के बाद आतंकी कॉन्गो भाग गए। पुलिस ने बताया कि गंभीर रूप से घायल आठ लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

ये आतंकी संगठन पहले भी कई हमले कर चुका है

एडीएफ ने इससे पहले अप्रैल में भी एक गांव पर हमला किया था, जिसमें 20 लोगों की मौत हो गई थी। इसके अलावा मार्च में भी युगांडा के मुकोंदी गांव में एडीएफ के आतंकियों ने हमला किया था। इसमें 36 लोगों की मौत हो गई थी।

बीएसएफ ने बदला रिट्रीट का समय

अटारी सहित सभी तीनों बॉर्डरों पर अब 6.30 बजे होगी सेरेमनी

फरीदकोट, (एजेंसी)। भारत-पाकिस्तान के मध्य होने वाली बिटिंग रिट्रीट सेरेमनी का समय बदल गया है। अमृतसर के अटारी बॉर्डर सहित फाजिल्का व फिरोजपुर में अब रिट्रीट शाम 6 बजे की जगह 6.30 बजे होगी। गर्मी बढ़ने व दिन बड़े होने के बाद इस फैसले को लिया गया है। बीती शाम से इन आदेशों को लागू कर दिया गया है। देश में तीन जगह पर भारत-पाकिस्तान के मध्य रिट्रीट सेरेमनी होती है, जिसमें भारत की सीमा सुरक्षा बल के जवान पाकिस्तान रेंजर्स के साथ मिलकर भाग लेते हैं। अमृतसर, फज्लिका और फिरोजपुर जिले में होने वाली इस रिट्रीट सेरेमनी को देखने के लिए बड़ी संख्या में देश-विदेश के पर्यटक पहुंचते हैं। लोगअपने-अपने देश के नारे लगा देश प्रेम को उजागर करते हैं।

एनडीए को हराने की ताकत सिर्फ पीडीए के पास...

भाजपा की काट के लिए अखिलेश का नया फॉर्मूला

लखनऊ, (ब्यूरो)। 2024 में होने वाले लोकसभा चुनाव को लेकर राजनीतिक चौसर बिछने लगी है। सभी पार्टियां अपनी रणनीति तैयार करने में लगी हुई हैं। वहीं समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा के नेतृत्व वाले गठबंधन एनडीए को हराने की ताकत पीडीए के पास है। लखनऊ में एक निजी चैनल के कार्यक्रम में अखिलेश ने कहा कि अगर बड़े राष्ट्रीय दलों ने हमें समर्थन दिया तो उत्तर प्रदेश की सभी 80 लोकसभा सीटों पर भाजपा हार जाएगी।

अखिलेश यादव ने कहा कि उनका हमेशा से यह मानना रहा है कि किसी राज्य में कौन सा सहयोगी गठबंधन सबसे मजबूत है, इस पर विचार करते हुए सीटों का बंटवारा तय किया जाना चाहिए। वहीं विपक्षी एकता को लेकर अखिलेश ने कहा कि उनका एकमात्र नारा है, अस्सी हराओ, भाजपा हटाओ। 2017 के विधानसभा और 2019 के आम चुनाव में क्रमशः कांग्रेस और बहुजन समाज पार्टी के साथ अपनी पार्टी के गठबंधन के बारे में बात करते हुए अखिलेश ने कहा कि सपा हमेशा एक ईमानदार और मिलनसार गठबंधन सहयोगी रही है।

आदिवासी वोट बैंक को भी साधने की कोशिश

सपा प्रमुख अखिलेश यादव अब आदिवासी वोट बैंक साधने की जुगत में लगे हुए हैं। वह 24 जून को मध्य प्रदेश सीमा में आने वाले चित्रकूट दौरे पर हैं, जहां वह एक तीर से दो निशाने साधने के साथ आदिवासी समाज को एमपी चुनाव और लोक सभा चुनाव दोनो में ही अपनी तरफ करने के प्रयास में हैं।

उप्र में सबसे बड़ा वोट बैंक है ओबीसी

यूपी में सबसे बड़ा वोट बैंक पिछड़ा वर्ग का है। लगभग 52 फीसदी पिछड़ा वोट बैंक में 43 फीसदी वोट बैंक गैर-यादव बिरादरी का है। उत्तर प्रदेश में सबसे ज्यादा संख्या यादव और दूसरे नंबर कुर्मी समुदाय की है। सीएसडीएस के आंकड़ों के मुताबिक ओबीसी जातियों में यादवों की आबादी कुल 20 फीसदी है, जबकि राज्य की आबादी में यादवों की हिस्सेदारी 11 फीसदी है, जो सपा का परंपरागत वोटर माना जाता है।

उप्र में दलित वोट बैंक हमेशा रहा है महत्वपूर्ण

समाजवादी पार्टी दलित वोटर्स पर फोकस कर रही है। यूपी में 22 फीसदी दलित वोटर्स हैं। दलित यूपी में दो हिस्सों में बंटा है. एक जाटव जिनकी आबादी 55 फीसदी फीसदी तो दूसरा गैर-जाटव जिसकी आबादी 45 फीसदी है। गैर-जाटव दलित करीब 50-60 जातियां और उप-जातियां शामिल हैं। दलित वोटर्स यूपी की राजनीति में हमेशा महत्वपूर्ण रहा है। सपा ने 'मिशन कांशीराम' को लेकर माहौल बनाने की जिम्मेदारी स्वामी प्रसाद मौर्य के साथ-साथ दलित नेता इंद्रजीत सरोज को दे रखी है(इसके अलावा, दलित नेता अवधेश प्रसाद को भी अखिलेश ने जिम्मेदारी दे रखी है।

फायदे का सौदा

साबित हो सकते हैं निर्माणाधीन प्रोजेक्ट

रियल एस्टेट सेक्टर में निर्माणाधीन परियोजनाएं काफी फायदे का सौदा साबित हो सकती हैं। इन परियोजनाओं में जहां भुगतान करने में आसानी होती है वहीं परियोजना पूरी होने के बाद इसकी कीमतों में भी खासा इजाफा हो जाता है। इसके अलावा निर्माणाधीन प्रोजेक्ट में डेवलपर्स द्वारा बायर्स के लिए कई तरह की डिस्काउंट व अन्य आफर भी पेश किए जाते हैं। यही वजह है कि पिछले कुछ वर्षों में घर के खरीदारों के साथ-साथ निवेश की दृष्टि से घर खरीदने वालों की रुचि ऐसी परियोजनाओं के प्रति खासी बढ़ी है

प्रदीप मिश्रा
फाउंडर, होमेंट्स प्राइवेट लिमिटेड

रियल एस्टेट मार्केट में मांग बढ़ने और फिर इसके रफ्तार पकड़ने की मुख्य रूप से दो वजहें होती हैं। जो लोग रहने के लिए मकान खरीदते हैं उनकी वजह से रियल एस्टेट मार्केट चलता है। लेकिन रफ्तार तभी पकड़ता है जब इस मार्केट में निवेशक उतरते हैं और अच्छी खरीदारी करते हैं। कोविड के बाद भी ऐसा ही कुछ देखने को मिला। अपने रहने के लिए घर खरीदना जिन लोगों के लिए जरूरी था उन्होंने बाजार में खरीदारी शुरू की और अपनी प्राथमिकता में रेडी टू मूव मकान ही रखे। इससे कोविड के दौरान लगभग डूब चुके रियल एस्टेट बाजार को कुछ राहत मिली और मकानों की बिक्री बढ़ने लगी। इसके बाद निवेशक भी बाजार में उतरे और निर्माणाधीन परियोजनाओं में निवेश करना शुरू किया तो रियल एस्टेट बाजार ने एक बार फिर रफ्तार पकड़ ली। रियल एस्टेट क्षेत्र के विशेषज्ञों को उम्मीद है कि जल्द ही निर्माणाधीन परियोजनाओं में लोगों का निवेश बढ़ेगा जिससे रियल एस्टेट क्षेत्र को गति मिलेगी।

निर्माणाधीन परियोजनाओं के प्रति क्यों बढ़ा रुझान

मौजूदा समय में रियल एस्टेट सेक्टर में निर्माणाधीन परियोजनाओं के प्रति लोगों का रुझान बढ़ा है। इससे जहां रियल एस्टेट सेक्टर को मजबूती मिली है वहीं लोगों के मन में एक सवाल यह भी उठ रहा होगा कि निर्माणाधीन प्रोजेक्ट में तो मकान पर कब्जा काफी समय बाद मिलता है साथ ही रिस्क भी रहता है कि समय पर कब्जा मिलेगा भी या नहीं। आइए हम आपको बताते हैं कि रियल एस्टेट सेक्टर की निर्माणाधीन परियोजनाओं में लोग पैसा लगाने में क्यों दिलचस्पी दिखाते हैं।

रेरा की वजह से बढ़ा भरोसा

रियल एस्टेट सेक्टर में नई अथवा निर्माणाधीन परियोजनाओं के प्रति लोगों की रुचि बढ़ने की सबसे बड़ी वजह 'रेरा' है। जी हां.... रेरा की वजह से अब घर के वास्तविक खरीदार या किसी भी आवासीय अथवा व्यावसायिक परियोजना में निवेश करने वाले व्यक्ति का भरोसा बढ़ा है। खरीदार अब बड़े और विश्वसनीय कंपनियों के प्रोजेक्ट में अधिक रुचि दिखाने लगे हैं। निजी निवेशकों को बस यह विश्वास दिलाने की आवश्यकता होती है कि उनका निवेश सुरक्षित होगा और रेरा की वजह से ही यह संभव हो गया है। रेरा के नियमों और निर्देशों के अनुसार कंपनियों को परियोजनाओं के लिए पंजीकृत होना होता है।

बड़ी कंपनियों के प्रोजेक्ट पर नजर

निवेशकों को ऐसी कंपनियों के अपार्टमेंट खरीदने में अधिक रुचि होती है जिनका बाजार में अच्छा नाम होता है साथ ही उनके प्रोजेक्ट काफी गुणवत्तापूर्ण होते हैं। इस प्रकार के परियोजनाओं में मान्यता, गुणवत्ता और पेशेवरता सभी कुछ होता है। साथ ही, इन परियोजनाओं की कीमत भी कुछ कम होती है जिससे निवेशकों को आर्थिक रूप से फायदा होता है।

भुगतान में लचीलापन

निर्माणाधीन अपार्टमेंटों में भुगतान की सुविधा भी लचीली होती है। अक्सर, डेवलपर भुगतान को पार्ट पेमेंट के रूप में प्राप्त करता है। इससे खरीदार को आसानी होती है। इसका एक फायदा यह होता है कि अगर निवेशक के पास मौजूदा समय में मकान की कीमत के बराबर पूरी रकम नहीं है तो वह तीन-तीन माह या छह-छह माह की तीन चार किस्तों में भुगतान कर सकता है। साथ ही प्रोजेक्ट के पूरा होने के विभिन्न चरणों के आधार पर भी भुगतान कर सकता है।

ज्यादा मूल्यांकन

निर्माणाधीन अपार्टमेंटों की कीमतों में उच्च मूल्यांकन की संभावना होती है। यह अवसर प्राथमिकता की वजह बनता है। निवेशकों में विचारशीलता और धैर्य बनाए रखने की आवश्यकता होती है। धैर्य इसलिए रखना पड़ता है क्योंकि यह बात तय होती है कि जैसे-जैसे प्रोजेक्ट पूरा होगा उसका बाजार मूल्य बढ़ता ही रहेगा और यही मूल्यवृद्धि निवेशकों व घर के वास्तविक खरीदारों के लिए अच्छी होती है

अत्याधुनिक सुविधाएं

निर्माणाधीन अपार्टमेंटों में रकम लगाने का एक बड़ा फायदा यह भी है कि यह नवीनतम निर्माण की सुविधा प्रदान करते हैं, अपार्टमेंट में बनने वाले फ्लैट में नवीनतम तकनीक का इस्तेमाल करते हैं। अपार्टमेंट में अत्याधुनिक सुविधाओं के साथ नवीनतम डिजाइन भी प्रदान करते है। यह सारी खूबियां ऐसे निवेशकों को आसानी से आकर्षित कर लेती हैं जो नवीनतम और आधुनिक वास्तुकला और सुविधाओं के साथ घर खरीदना चाहते हैं।

डिस्काउंट और आफ़र

निर्माणाधीन प्रोजेक्ट में कई तरह के डिस्काउंट और नए-नए आफर भी डेवलपर द्वारा प्रदान किए जाते हैं। डेवलपर या बिल्डर्स निवेशकों को आकर्षित करने के लिए निर्माण की प्रगति या परिपक्वता के समय विशेष छूट और आफ़र प्रदान करते है। ये विकल्प निवेशकों को आकर्षित करते है और उनके लिए एक आर्थिक फायदा पहुंचाने वाले साबित हो सकते है। यही वे कारण हैं जिनकी वजह से निर्माणाधीन अपार्टमेंटों में मांग बढ़ी है।

हाईटेक सुविधाओं से लैस होंगे

बीमा वाहक

अपूर्व कुमार दत्त
बीमा विशेषज्ञ

वैसे तो बीमा एजेंट और बीमा सलाहकार अपने ग्राहकों को बीमा खरीदने में भरपूर मदद करते हैं। लेकिन अब जल्द ही हाईटेक बीमा एजेंट या बीमा सलाहकार बीमा खरीदने के इच्छुक लोगों को उनकी मनपसंद की बीमा पालिसी दिलाने में मदद करेंगे। जी... हां... इन हाईटेक बीमा एजेंट को अब नाम दिया गया है बीमा वाहक का। ये बीमा वाहक अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस होंगे और अपने ग्राहक के हर सवाल का जवाब देने के लिए उन्हें खासतौर पर प्रशिक्षित किया जाएगा

भारत की आजादी के स्वर्णिम वर्ष '2047' तक सभी को बीमा उपलब्ध कराने के लिए एक महत्वपूर्ण घटक के तौर पर 'बीमा वाहक' की नियुक्ति किए जाने की शुरुआत होने जा रही है। इस योजना में प्रयास यही रहेगा कि बतौर बीमा वाहक ज्यादातर महिलाओं को कार्य करने का मौका दिया जाए। बीमा वाहक दो तरह के होंगें। पहला व्यक्तिगत और दूसरा कार्पोरेट बीमा वाहक। कार्पोरेट बीमा वाहक वैधानिक तौर पर कानूनन बीमा कम्पनी से पंजीकृत रहेंगे। जबकि व्यक्तिगत बीमा वाहक, बीमा कम्पनी द्वारा या फिर कार्पोरेट बीमा वाहक के द्वारा नियुक्त किए जाएंगे।

बीमा वाहकों का काम

व्यक्तिगत और कॉर्पोरेट दोनों ही तरह के बीमा वाहक बीमा योजना के प्रस्ताव पत्र, दस्तावेज, पालिसी सर्विसिंग और क्लेम सम्बंधित सभी कार्यो में बीमा कम्पनी और ग्राहक के मध्य शानदार तारतम्य बिठाते हुए सेवाएं प्रदान करेंगे। बीमा वाहक मनी लांडरिंग सम्बंधित सरकारी निर्देशों को सुनिश्चित कराने में मददगार होंगे। हालांकि इस कार्य के क्रियान्वयन की पूर्ण जिम्मेदारी बीमा कम्पनी की होगी।

बीमावाहक की नियुक्ति

इनकी नियुक्ति के लिए सभी बीमा कम्पनियां दिशा-निर्देश बनाकर अपने बोर्ड के निदेशकों से अनुमति लेते हुए, इरडा के निर्देशों के अनुपालन की सुनिश्चित व्यवस्था करेंगी। बीमा कंपनिया 'बीमा वाहक' को इलेक्ट्रानिक भुगतान प्रक्रिया के जरिए ग्राहकों से मिली प्रीमियम की रकम कम्पनी में जमा कराने की लिए उचित प्लेटफार्म और तकनीकी प्रशिक्षण भी प्रदान करेंगी। बीमा वाहक के तौर पर उसी परिक्षेत्र के युवाओं की नियुक्ति की जाएगी जो अपने आस-पास के भौगौलिक माहौल और सामजिक परिवेश की समझ रखते हैं। नियुक्ति के उपरांत बीमा वाहक एक जीवन बीमा कम्पनी, एक स्वास्थ्य बीमा कंपनी, एक सामान्य बीमा कम्पनी और जहां जरूरत तथा उपलब्धता होगी वहां कृषि बीमा कम्पनी के लिए कार्य करेंगे। उन्हें सम्बंधित बीमा कपनियों से 'क्या करें और क्या नही करें, इसके लिए भी निर्देश दिए जाएंगे।

वाहक की उपयोगिता

किसी भी योजना के क्रियान्वयन हेतु जमीनी स्तर पर कार्य करने वाले अच्छे लोगों की जरूरत होती है। इसी प्रकार भारत जैसे विशाल भौगोलिक, सामाजिक, भाषाई परिवेश में हर जगह बीमा उपलब्ध कराने के लिए बीमा वाहक की जरूरत है जिसके माध्यम से प्रत्येक ग्राम पंचायत स्तर तक बीमा का कार्य निष्पादित कराया जाना है। बीमा वाहक जहाँ एक ओर बीमा के प्रचार-प्रसार और विक्रय का काम करेंगे वहीं दूसरी ओर विक्रय के उपरान्त बीमाधारकों को समय-समय पर जरूरत के अनुसार उचित सहायता भी प्रदान करेंगे। उनके द्वारा जीवन बीमा, स्वास्थ्य बीमा, प्रापर्टी का बीमा और पर्सनल एक्सीडेंटल बीमा का भी कार्य सम्पादित किया जाएगा।

रोजगार के भी अवसर

अकेले उत्तर प्रदेश में लगभग 58,189 ग्राम पंचायतें हैं, वहीं पूरे देश में नागालैंड, मेघालय और मिजोरम को छोड़कर अन्य राज्यों में ग्राम पंचायत व्यवस्था लागू है। साथ ही यदि केंद्र शासित प्रदेशों की बात करें तो दिल्ली को छोडकर अन्य सभी केंद्र शासित प्रदेशों में भी ग्राम पंचायत व्यवस्था लागू है। इस तरह से 73 वें संविधान संशोधन 1972 जो की 24 अप्रैल 1993 से लागू हुआ, उसके तहत बतौर लोकतंत्र की नीव के तौर पर देश में कुल 2,50,000 से भी अधिक ग्राम पंचायत व्यवस्था सुचारू रूप में कार्यरत है। अर्थात यदि एक ग्राम पंचायत में यदि दस बीमा वाहक को भी रोजगार मिलता है तो आप कल्पना कर लीजिए कितने लोगों को रोजगार मिल जाएगा और आम जन तक बीमा की सुविधाएं कितनी आसानी से पहुंच सकेंगी।

घर के आसपास ही रहेंगे बीमा वाहक

बीमा क्रय करने, उसके बाद बांड प्राप्त करने, रिन्यूअल जमा करने कराने, दावा निस्तारण आदि कार्यो के लिए बीमा सलाहकार एक मजबूत संबल होते है, उनका सहयोग वर्तमान में लिया जाता ही है और आने वाले समय में प्रशिक्षित बीमा वाहक के अपने घर के समीप ही उपलब्ध रहना बीमाधारक को और अधिक संबल प्रदान करेगा।

वाहक की जरूरत

यदि हम अपने आसपास का आकलन करें तो पाएंगे देश के करोड़ों लोंगों ने भी अभी तक कोई भी बीमा पालिसी नहीं ले रखी है। हम यह भी देखेंगे कि 50% से अधिक वाहन बिना बीमा के ही चल रहे हैं। जीवन व स्वास्थ्य बीमा के अलावा घर का बीमा या प्रापर्टी का बीमा भी ऐसे क्षेत्र है जहां बीमा की जरूरत है। अतः ऐसे में सभी लोगों को बीमा के दायरे में लाने की जरूरत है और यह काम बीमा वाहन द्वारा ही संभव होगा।

बीमा सलाहकार व बीमा वाहक

मौजूदा समय में बीमा वाहक का काम बीमा सलाहकार द्वारा किया जा रहा है। अर्थात यह कहा जा सकता है कि बीमा वाहक के वही सब काम हैं जो मौजूदा समय में एक बीमा सलाहकार द्वारा निष्पादित किए जाते हैं। तकनीकी तौर पर प्रत्येक बीमा व्यवसाय में विक्रेता और उपभोक्ता के मध्य तारतम्य बिठाने हेतु जो लोग मध्यस्थता करते है उन्हें हम बीमा सलाहकार कहते है, उन्हें ही सामान्य भाषा में एजेंट भी कहते हैं और भविष्य में इन्हें ही बीमा वाहक कहा जाएगा।

कस्टमर फ्रेंडली होंगे बीमा वाहक

बीमा वाहकों को उनकी और ग्राहकों की जरूरत के अनुसार जो प्राशिक्षण दिये जाएंगे उसके बाद वह ज्यादा कस्टमर फ्रेंडली साबित होंगे और आपके द्वारा पूछे जाने वाले प्रत्येक प्रश्न का उत्तर देने में भी सक्षम होंगे। बीमा वाहक ग्राहक के हित को सर्वोच्च प्राथमिकता देने वाले होंगे साथ ही बीमा कंपनी और बीमा खरीदने वाले व्यक्ति की जरूरतों को ध्यान से सुनकर, समझकर उनकी जरूरत के अनुसार की ही पालिसी देंगे। उनकी प्राथमिकता कमीशन नहीं बल्कि ग्राहक और बीमा कंपनी का हित दोनों ही होगी।

गोल्ड में निवेश का फिर मिला मौका

कमाल अहमद रूमी
आर्थिक पत्रकार

नवम्बर 2015 में जारी किए गए सॉवरेन गोल्ड बांड की नई सीरीज 19 जून 2023 को जारी होने वाली है। अगर आप भी सोने में निवेश करना चाहते हैं तो इस सीरीज के जरिए आपके पास सोना खरीदने का बढ़िया मौका है। अगली सीरीज सितम्बर में जारी होगी। अगर आप किसी वजह से निवेश से चूक जाते हैं तो आप सितम्बर में इस बांड में निवेश कर सकते हैं

सॉवरेन गोल्ड बांड योजना के तहत वित्त वर्ष 2023-24 की पहली सीरीज सोमवार 19 जून से निवेशकों के लिए खोली जा रही है। सोने में निवेश करने के इच्छुक लोगों के लिए यह निवेश का अच्छा मौका है। यह सीरीज 23 जून तक निवेशकों के लिए खुली रहेगी। अगर आप भी सोने में निवेश करने के इच्छुक हैं तो 19 से 23 जून के बीच इस स्कीम में निवेश करके अच्छा रिटर्न हासिल कर सकते हैं। शुक्रवार को सर्राफा बाजार में सोने के भाव 60210 रुपए प्रति दस ग्राम रहे। गौरतलब हो कि नवम्बर 2015 में जब सॉवरेन गोल्ड बांड लांच हुआ था उस समय सोने के भाव 48930 रुपए प्रति दस ग्राम थे। इससे आप स्वयं अंदाजा लगा सकते हैं जिन्होंने लंबे समय के लिए गोल्ड बांड में निवेश किया था उन्हें कितना बढ़िया रिटर्न हासिल हुआ है।

कौन जारी करता है सॉवरेन गोल्ड बांड

सॉवरेन गोल्ड बांड भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा जारी किए जाते हैं। नवम्बर 2015 से भारतीय रिजर्व बैंक एक निश्चित अंतराल के बाद इस गोल्ड बांड की नई सीरीज जारी करता है। सीरीज जारी होने के बाद निवेशकों को कम से कम पांच से सात दिन का समय इस स्कीम में निवेश करने के लिए दिया जाता है। गोल्ड बांड की इस सीरीज के लिए भी पांच दिन का समय रिजर्व बैंक द्वारा निवेशकों को दिया गया है।

कैसे होता है निवेश

सॉवरेन गोल्ड बांड में आफलाइन और आनलाइन दोनों तरह से निवेश की सुविधा है। अगर कोई व्यक्ति आफलाइन निवेश करना चाहता है तो उसे बैंक शाखाओं में जाकर फार्म भरना होगा और सभी औपचारिकताएं पूरी करनी होंगी। इसके अलावा आनलाइन निवेश के इच्छुक लोगों को भारतीय रिजर्व बैंक अथवा अन्य बैंकों की वेबसाइट के जरिए गोल्ड बांड की खरीद के लिए आवेदन करना होता है। आनलाइन आवेदन करने पर लगभग 50 रुपए की छूट भी मिल जाती है। सॉवरेन गोल्ड बांड को आफलाइन खरीदने के लिए एक नहीं अनेक प्लेटफार्म हैं। कोई भी व्यक्ति किसी भी बैंक शाखा से जाकर यह बांड ले सकता है। इसके अलावा स्टाक होल्डिंग कारपोरेशन, नेशनल स्टाक एक्सचेंज और बंबई शेयर बाजार के जरिए भी इस बांड की खरीद की जा सकती है।

शुद्ध सोने में होता है निवेश

सॉवरेन गोल्ड बांड के जरिए कोई भी व्यक्ति शुद्ध सोने अर्थात 99.9 फीसद गोल्ड में निवेश करता है। यह बांड चूंकि भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा बेचा जाता है इसलिए इसकी शुद्धता को लेकर किसी तरह की चिंता करने की जरूरत नहीं है। सॉवरेन गोल्ड बांड एक तरह से सरकारी बांड ही होता है अतः यह पूरी तरह सुरक्षित होता है। इसे डीमैट के रूप में बदला भी जा सकता है। अगर कोई व्यक्ति पांच ग्राम सोने की कीमत वाला बांड खरीदता है तो उस वक्त पांच ग्राम सोने की जो कीमत होगी वही कीमत सॉवरेन गोल्ड बांड की भी होगी।

कब इश्यू होंगे बांड

सॉवरेन गोल्ड बांड 19 जून को खुलकर 23 जून को बंद होंगे। इस अवधि में जितने लोगों ने इस बांड में निवेश किया होगा उनको बांड प्रमाण पत्र का आवंटन 27 जून को कर दिया जाएगा। इस सीरीज के गोल्ड बांड के आवंटन के बाद दूसरी सीरीज 11 से 15 सितम्बर के बीच खुलेगी। उस सीरीज में बांड प्रमाण पत्र इश्यू की तारीख 20 सितम्बर तय की गई है। अगर आपके पास फिलहाल इस गोल्ड बांड में निवेश के लिए रकम नहीं है तो चिंता की कोई बात नहीं है आप सितम्बर में खुलने वाली नई सीरीज में इस बांड को खरीद सकते हैं।

सालाना ढाई फीसद ब्याज

सॉवरेन गोल्ड बांड पर रिजर्व बैंक द्वारा निवेशक को हर साल ढाई फीसद की दर से ब्याज का भुगतान किया जाता है। सोने की कीमत इंडियन बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन द्वारा निर्धारित रेट के आधार पर तय की जाती है। बांड खरीदने के दिन से एक हफ्ते पहले के तीन दिन की औसत कीमत के आधार पर सोने की कीमत तय की जाती है और इसी कीमत पर निवेशक को बांड उपलब्ध कराया जाता है।

सुरक्षा की चिंता नहीं

इस गोल्ड बांड में जहां शुद्धता की चिंता करने की कोई जरूरत नहीं होती वहीं इसकी सुरक्षा को लेकर भी किसी तरह की चिंता की जरूरत नहीं है। इस गोल्ड बांड डीमैट के रूप में रखा जा सकता है, जो काफी सुरक्षित है और उस पर कोई खर्च भी नही होता है। इसलिए सुरक्षा को लेकर चिंता का सवाल ही पैदा नहीं होता।

कितना कर सकेंगे निवेश

इस बांड के तहत कोई भी व्यक्ति एक वित्त वर्ष में न्यूनतम एक ग्राम सोने से लेकर अधिकतम चार किलोग्राम तक सोने में निवेश कर सकता है। अगर दो व्यक्ति मिलकर इसमें निवेश कर रहे हैं तो अधिकतम चार किलोग्राम की सीमा पहले आवेदक पर लागू मानी जाएगी। इसके अलावा अगर कोई ट्रस्ट इस तरह के बांड में निवेश करता है तो उसे अधिकतम 20 किलोग्राम तक सोना खरीदन की छूट प्रदान की गई है।

कितना लगता है टैक्स

इस तरह के बांड के आठ साल के मैच्योरिटी पीरियड पूरा होने के बाद अगर कोई व्यक्ति अपना निवेश वापस निकालता है तो उसे कोई टैक्स नहीं देना होगा लेकिन परिपक्वता अवधि से पहले बांड को कैश कराने पर लांग टर्म कैपिटल गेन टैक्स वसूला जाता है।

बांग्लादेश ने रचा इतिहास, दर्ज की टेस्ट इतिहास की तीसरी बड़ी जीत

एकमात्र टेस्ट में अफगानिस्तान को 546 रन से रौंदा

मीरपुर (एजेंसी)। नजमुल हुसैन शांतो (146, 124) के दो शतकों की बदौलत बांग्लादेश ने शनिवार को एकमात्र टेस्ट में अफगानिस्तान को 546 रन से रौंदकर टेस्ट क्रिकेट के इतिहास की तीसरी सबसे बड़ी जीत दर्ज की। बांग्लादेश ने अफगानिस्तान के सामने 662 रन का लक्ष्य रखा था। इसके जवाब में अफगानिस्तान मैच के चौथे दिन शनिवार को 115 रन पर ऑलआउट हो गयी।

इससे पहले इंग्लैंड ने ऑस्ट्रेलिया को 675 रन से (1928) जबकि ऑस्ट्रेलिया ने इंग्लैंड को 562 रन से (1934) हराया था। दिन की शुरुआत 45/2 से करने वाली अफगानिस्तान की हार बस औपचारिकता मात्र थी। इबादत हुसैन (22/1) ने नासिर जमाल को आउट कर विकेटों के पतन की शुरुआत की, जबकि शोरिफुल इस्लाम ने लगातार ओवरों में अफसर जजई और बाहिर शाह को पवेलियन लौटाया। तीसरे दिन नाबाद पवेलियन लौटे रहमत शाह और करीम जन्नत को तस्कीन अहमद (37/4) ने आउट किया। रहमत 73 गेंद पर दो चौकों के साथ 30 रन बनाकर अफगानिस्तान के लिए सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज रहे। मेहदी हसन मिराज ने अमीर हमजा का विकेट निकाला, जबकि तस्कीन ने यमीन अहमदई के रूप में अपना चौथा विकेट लिया। कोहनी में चोट लगने के कारण जहीर खान रिटायर हर्ट हुए और अफगानिस्तान की पारी 115 रन पर समाप्त हो गयी। इससे पूर्व, शांतो ने पहली पारी में शतक जड़कर बांग्लादेश को 382 रन तक पहुंचाया था, जिसके जवाब में अफगानिस्तान 146 रन पर ऑलआउट हो गयी थी।

स्कोर बोर्ड

बांग्लादेश पहली पारी 382/10
बांग्लादेश दूसरी पारी 425/4 घोषित
अफगानिस्तान पहली पारी 146/10

अफगानिस्तान दूसरी पारी	रन	गेंद	4/6
जदरान पगबाधा इस्लाम	0	1	0/0
अब्दुल कै. लिटन बो. तस्किन	5	7	1/0
रहमत कै. लिटन बो. तस्किन	30	73	2/0
हशमतुल्लाह रिटायर्ड नाबाद	13	14	2/0
जमाल कै. लिटन बो. इबादत	6	22	0/0
अफसर कै. मेहदी बो. इस्लाम	6	12	0/0
बाहिर कै. तैजुल बो. इस्लाम	7	13	1/0
करीम जनत बो. तस्किन	18	18	0/2
हमजा कै. मोमिनुल बो. मेहदी	5	21	1/0
यामीन कै. मुशफिकर बो. तस्किन	01	14	0/0
निजात मसूद नाबाद	4	3	1/0
जहीर खान रिटायर्ड नाबाद	4	6	1/0

अतिरिक्त: 16, **कुल:** 33 ओवर में 115 रन पर ऑलआउट **विकेट पतन:** 1-0 , 2-7 , 2-26*, 3-48, 4-65, 5-78, 6-91, 7-98, 8-106, 9-110, 9-115* **गेंदबाजी:** शोरिफुल इस्लाम 10-1-28-3, तस्किन अहमद 9-2-37-4, तैजुल इस्लाम 5-1-19-0, मेहदी हसन 2-0-5-1, इबादत हुसैन 7-2-22-1

21वीं सदी में रनों के लिहाज से सबसे बड़ी जीत

यह 21वीं सदी में रनों के लिहाज से सबसे बड़ी जीत का रिकॉर्ड है और टेस्ट क्रिकेट के इतिहास की तीसरी सबसे बड़ी जीत है। इससे पूर्व बांग्लादेश ने जनवरी, 2005 में जिम्बाब्वे टीम को 226 रनों से हराया था।

टेस्ट इतिहास की पांच सबसे बड़ी जीत

675	रनों से इंग्लैंड ने ऑस्ट्रेलिया को हराया	1928
562	रनों से ऑस्ट्रेलिया ने इंग्लैंड को हराया	1934
546	रनों से बांग्लादेश ने अफगानिस्तान को हराया	2023
530	रनों से ऑस्ट्रेलिया ने साउथ अफ्रीका को हराया	1911
492	रनों से दक्षिण अफ्रीका ने ऑस्ट्रेलिया को हराया	2018

546

बांग्लादेश की अफगानिस्तान के खिलाफ 546 रन की जीत रनों के हिसाब से टेस्ट क्रिकेट की तीसरी सबसे बड़ी जीत है। इससे पहले इंग्लैंड ने ऑस्ट्रेलिया को 1928 के गाबा टेस्ट में 675 और ऑस्ट्रेलिया ने इंग्लैंड को 1934 के ओवल टेस्ट में 562 रन से हराया था।

661

दूसरी पारी के बाद बांग्लादेश की बढ़त 661 रन थी। सिर्फ सात बार ही किसी टीम ने दूसरी पारी के बाद इससे अधिक की बढ़त ली है। यह पांच दिन के टेस्ट मैच में दूसरी पारी के बाद सबसे अधिक बढ़त है। (पहले छह और उससे अधिक दिन का भी टेस्ट होता था।) इससे पहले यह रिकॉर्ड न्यूजीलैंड के नाम था, जिन्होंने 2018 के क्राइस्टचर्च टेस्ट में श्रीलंका पर 659 रन की बढ़त ली थी।

14

मीरपुर में बांग्लादेश के तेज गेंदबाजों ने 14 विकेट लिए, जो कि टेस्ट क्रिकेट में उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। इससे पहले न्यूजीलैंड के खिलाफ 2022 में बांग्लादेश के तेज गेंदबाजों ने 13 विकेट लिए थे। पहली पारी में बांग्लादेश के तेज गेंदबाजों ने अफगानिस्तान के आठ विकेट लिए, जो कि घर में उनके लिए सर्वाधिक है।

02

नज़मुल हुसैन शांतो, मोनिमुल हक के बाद टेस्ट क्रिकेट की दोनों पारियों में शतक लगाने वाले बांग्लादेश के सिर्फ दूसरे बल्लेबाज बन गए हैं। मोनिमुल ने यह रिकॉर्ड श्रीलंका के खिलाफ 2018 में चटगांव टेस्ट में बनाया था। शांतो ने इस मैच में दोनों पारियों में मिलाकर कुल 270 रन बनाए, जो कि मोनिमुल के श्रीलंका के खिलाफ मैच के 281 रनों के बाद बांग्लादेश के लिए दूसरा सर्वाधिक है।

82.82

शांतो ने इस मैच में 82.82 की स्ट्राइक रेट से रन बनाए, जो कि टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में किसी भी बल्लेबाज का एक पारी में चौथा सर्वाधिक स्ट्राइक रेट है। यह रिकॉर्ड डेविड वॉर्नर के नाम है, जब उन्होंने साउथ अफ्रीका के खिलाफ 2014 के केपटाउन टेस्ट में दोनों पारियों में शतक लगाते हुए 90.90 के स्ट्राइक रेट से रन बनाए थे।

261

इस मैच में अफगानिस्तान ने दोनों पारियों में मिलाकर कुल 261 रन बनाए। यह बांग्लादेश के खिलाफ किसी भी टीम का अब न्यूनतम योग है। इससे पहले यह रिकॉर्ड वेस्टइंडीज़ के नाम था, जब उन्होंने 2018 के मीरपुर टेस्ट की दोनों पारियों में ऑलआउट होने के बाद 354 रन बनाए थे। यह बांग्लादेश में किसी भी टीम का तीसरा न्यूनतम टोटल भी है।

151

मेहदी हसन मिराज के टेस्ट मैचों में 151 विकेट हो गए हैं। शाकिब हल हसन (233) और तैजुल इस्लाम (177) के बाद वह 150 टेस्ट विकेट लेने वाले सिर्फ तीसरे बांग्लादेशी गेंदबाज हैं।

सिटी स्पोर्ट्स

फुटबॉल: राइजिंग एफसी, सुपीरियर वॉइस जीते

भोपाल। टीटी नगर स्टेडियम भोपाल के फुटबॉल मैदान पर खेली जा रही खेलो भोपाल फुटबॉल प्रतियोगिता के अंडर-17 बालक वर्ग में राइजिंग एफसी और सुपीरियर वॉइस ने अपने-अपने मुकाबले जीते। पहले मैच में राइजिंग एफसी ने विक्ट्री एफ सी को तीन 4-3 से हराकर अगले दौर में प्रवेश कर किया। राइजिंग तरफ से रजा जोश कृष और प्रसन्ना ने गोल किए जबकि विक्ट्री की तरफ से महेश विपुल और विक्की ने गोल किए। इसी वर्ग का एक अन्य मैच ब्लू लॉक और सुपीरियर वॉइस के बीच खेला गया जिसमें सुपीरियर वॉइस के अर्थव ने अपनी टीम के लिए एकमात्र गोल कर जीत दिलाई।

कराते प्रतियोगिता में मप्र 22 पदक के साथ शीर्ष पर

भोपाल। खेल एवं युवा कल्याण विभाग तथा रेलवे इंस्टीट्यूट के सहयोग से 17 एवं 18 जून को आयोजित 31वीं सेंटर इंडिया कराते प्रतियोगिता के पहले दिन मप्र सहित सेंटर के राजस्थान, महाराष्ट्र एवं गुजराज के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया। मप्र 22 पदक के साथ पहले, राजस्थान दूसरे और गुजरात तीसरे स्थान पर रहा। प्रतियोगिता का शुभारंभ शनिवार को डीएसपी परवेज खान ने किया। उक्त प्रतियोगिता से खिलाड़ियों का चयन भूटान में आयोजित साउथ एशिया ओपन कराते टूर्नामेंट के लिए किया जाएगा।

ख्वाजा के शतक से ऑस्ट्रेलिया की वापसी

एशेज टेस्ट के दूसरे दिन स्टंप्स तक 5 विकेट पर बनाए 311 रन

बर्मिंघम। सलामी बल्लेबाज उस्मान ख्वाजा के नाबाद शतक की मदद से ऑस्ट्रेलिया ने इंग्लैंड के खिलाफ एशेज के पहले टेस्ट के दूसरे दिन स्टंप्स तक 5 विकेट पर 311 रन बनाकर शानदार वापसी की। दिन का खेल खत्म होने तक उस्मान ख्वाजा (126 रन) और एलेक्स कैरी (52 रन) बनाकर क्रीज पर हैं। इंग्लैंड टीम ने टॉस जीतकर पहले बैटिंग करते हुए 8 विकेट पर 393 रन बनाकर पहली पारी घोषित की थी। इस लिहाज से कंगारू टीम अब भी पहली पारी में 82 रनों से पीछे है।

इंग्लैंड ने पहली पारी आठ विकेट पर 393 रन बनाकर घोषित की थी जिससे ऑस्ट्रेलिया अब भी 205 रन पीछे है। ऑस्ट्रेलिया ने दिन की शुरुआत बिना किसी नुकसान के 14 रन से की और पहले सत्र में ही सलामी बल्लेबाज डेविड वार्नर (09) दिन के सातवें ओवर में ब्रॉड की ऑफ साइड से बाहर की गेंद को विकेटों पर खेल गए। अगली की गेंद पर लाबुशेन (शून्य) ने बेयरस्टो को कैच थमा दिया। इसके बाद स्टीव स्मिथ 16 रन पर आउट हो गए। सुबह के सत्र में 67 रन पर तीन विकेट गंवाने के बाद ऑस्ट्रेलिया ने दूसरे सत्र में बेहतर प्रदर्शन किया। ख्वाजा और ट्रेविस हेड (50) ने चौथे विकेट के लिए 81 रन जोड़े। हेड ने मोईन अली पर कुछ आकर्षक शॉट खेले लेकिन इंग्लैंड के इस ऑफ स्पिनर ने अंततः मोईन अली को 50 रन और कैमरुन ग्रीन को 38 रन पर पवेलियन भेजा। इंग्लैंड टीम के लिए स्टुअर्ट ब्रॉड और मोईन अली ने 2-2 विकेट व बेन स्टोक्स ने एक विकेट लिया।

एजबेस्टन में 26 साल बाद शतक जड़ने वाले ऑस्ट्रेलियाई ओपनर

उस्मान ख्वाजा 26 साल बाद बतौर ओपनर ऑस्ट्रेलिया के लिए एशेज सीरीज के दौरान एजबेस्टन में शतक लगाने वाले पहले खिलाड़ी बन गए हैं। इससे पहले आखिरी बार मार्क टेलर ने 1997 में 129 रनों की शतकीय पारी खेली थी। 2022 के बाद से अब तक सबसे ज्यादा शतक लगाने के मामले में उस्मान ख्वाजा ने जो रूट की बराबरी कर ली है। दोनों ने सबसे ज्यादा संयुक्त रूप से 7-7 शतक जमाए हैं।

स्कोर बोर्ड

इंग्लैंड पहली पारी: 393/8 पारी घोषित,

ऑस्ट्रेलिया पहली पारी (14 रन से आगे)	रन	गेंद	4/6
डेविड वॉर्नर बो. ब्रॉड	09	27	2/0
उस्मान ख्वाजा नाबाद	126	279	14/2
लाबुशेन कै. बेयरस्टो बो. ब्रॉड	00	01	0/0
स्टीव स्मिथ पगबाधा स्टोक्स	16	59	0/0
हेड कै. क्राउली बो .मोईन	50	63	8/1
कैमरन ग्रीन बो. मोईन अली	38	68	4/1
एलेक्स कैरी नाबाद	52	80	7/1

अतिरिक्त: 20, **कुल:** 94 ओवर में पांच विकेट पर 311 रन **विकेट पतन:** 1-29, 2-29, 3-67, 4-148, 5-220, **गेंदबाजी:** स्टुअर्ट ब्रॉड 16-3-49-2, ऑली रॉबिंसन 17-3-49-0 जेम्स एंडरसन 15-5-30-0, हैरी ब्रूक 3-1-5-0, मोईन अली 29-4-124-2, बेन स्टोक्स 7-0-33-1, जो रूट 7-3-15-0,

ब्रॉड ने वार्नर को 15वीं बार बनाया शिकार

स्टुअर्ट ब्रॉड ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी को डेविड वार्नर को टेस्ट मैचों में सबसे ज्यादा बार आउट करने वाले गेंदबाज हैं। उन्होंने डेविड वार्नर को टेस्ट क्रिकेट में 15वीं बार आउट किया। एशेज के पहले टेस्ट में वार्नर महज 9 रन बनाकर आउट हो गए। एशेज सीरीज के इतिहास में ब्रॉड अब किसी एक बल्लेबाज (वार्नर) को संयुक्त रूप से तीसरी सर्वाधिक बार आउट करने वाले गेंदबाज बन गए हैं। उन्होंने ह्यूग ट्रंबल की बराबरी कर ली है, जिन्होंने टॉम हेवर्ड को 15 बार आउट किया था। बता दें कि एशेज में ग्लेन मैक्ग्रा ने माइकल आर्थर्टन को सर्वाधिक 19 बार आउट किया है।

पदक पक्का कर सात्विक चिराग ने रचा इतिहास

इंडोनेशिया ओपन के फाइनल में पहुंचने वाली पहली भारतीय जोड़ी बनी

जकार्ता। सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की पुरुष युगल जोड़ी ने इंडोनेशिया ओपन 2023 के सेमीफाइनल में शनिवार को कोरिया के कांग मिन्ग्युक और सियो स्युंगजै पर ऐतिहासिक जीत दर्ज कर पदक पक्का किया। सात्विक-चिराग 67 मिनट तक चले सेमीफाइनल में कांग-सियो को 17-21, 21-19, 21-18 से हराकर इंडोनेशिया ओपन के फाइनल में पहुंचने वाली पहली भारतीय जोड़ी बन गए। यह सात्विक-चिराग के लिए बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर के किसी सुपर 1000 इवेंट का पहला फाइनल भी है। खिताबी मुकाबले में सात्विक-चिराग का सामना मलेशिया के आरोन चिया-सूह वूईयिक या इंडोनेशिया के प्रमुद्य कुसुमवर्दन-वाइ रंबितान में से किसी एक जोड़ी से होगा।

डाइमंड लीग के लुसाने चरण में हिस्सा ले सकते हैं चोपड़ा

नई दिल्ली। मांसपेशियों में खिंचाव से उबर रहे दुनिया के नंबर एक भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा के 30 जून को लुसाने में वांडा डाइमंड लीग के छठे चरण के साथ वापसी कर सकते है। मौजूदा ओलंपिक चैंपियन चोपड़ा ने अब तक आधिकारिक तौर पर इसकी पुष्टि नहीं की है लेकिन प्रतियोगिता की आधिकारिक वेबसाइट के अनुसार इस महीने के अंत में होने वाली इस प्रतियोगिता में भारतीय एथलीट प्रतिस्पर्धा पेश करता नजर आएगा। वेबसाइट के अनुसार, भाला फेंक में भारतीय ओलंपिक चैंपियन नीरज चोपड़ा को चेक गणराज्य के याकुब वाडलेच और जर्मनी के जूलियन वेबर चुनौती देंगे। चोपड़ा ने पिछले महीने ट्विटर पर घोषणा की थी कि ट्रेनिंग के दौरान उनकी मांसपेशियों में खिंचाव आ गया था और एहतियात के तौर पर वह चार जून को नीदरलैंड में होने वाले एफबीके खेलों और 13 जून को फिनलैंड में होने वाली पावो नुर्मी मीट से हट गए। यह 25 वर्षीय खिलाड़ी साथ ही भुवनेश्वर में चल रही राष्ट्रीय अंतरराज्यीय सीनियर एथलेटिक्स चैंपियनशिप में भी हिस्सा नहीं ले रहा है। चोपड़ा के 27 जून को चेक गणराज्य में गोल्डन स्पाइक ओस्त्रावा टूर्नामेंट में भी हिस्सा लेने का कार्यक्रम है लेकिन अभी तक इस संबंध में उन्होंने औपचारिक घोषणा नहीं की है।

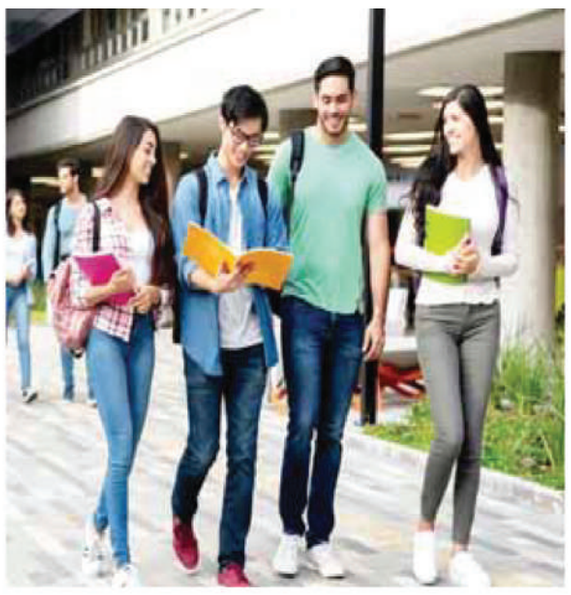

डीयू के ये कॉलेज हैं स्टूडेंट्स की पहली पसंद

दिल्ली विश्वविद्यालय ने यूजी पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिए सीएसएएस पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया शुरू कर दी है। सीयूईटी यूजी 2023 एग्जाम में शामिल स्टूडेंट्स दाखिले के लिए पोर्टल के जरिए पंजीकरण कर सकते हैं। CSAS पोर्टल पर आवेदन की प्रक्रिया कल से शुरू हुई है। Delhi University में 16 अगस्त से नया शैक्षणिक सत्र शुरू होगा। इसके पहले एडमिशन की प्रक्रिया डीयू पूरी करेगा। आइए जानते हैं कि डीयू के कौन से कॉलेज स्टूडेंट्स की पहली पसंद होते हैं और किन कोर्स की डिमांड अधिक रहती है।

बता दें कि दिल्ली विश्वविद्यालय में अंडरग्रेजुएट के कुल 78 कोर्स हैं, जिनमें कुल 71 हजार सीटें हैं। डीयू के के अनुसार 1.38 लाख छात्रों ने इस वर्ष विश्वविद्यालय के प्रमुख कार्यक्रम बीकॉम (ऑनर्स) में रुचि दिखाई है। हाल ही में जारी NIRF रैंकिंग में डीयू के कई कॉलजों की रैंकिंग बेहत अच्छी रही है। लेडी श्रीराम कॉलेज फॉर वूमेल, हिंदू कॉलेज, मिरिंडा हाउस रैंकिंग में टॉप 10 में शामिल हैं। इसके अलावा सेंट स्टीफंस कॉलेज और हंसराज कॉलेज भी छात्रों की पहली पसंद होते हैं।

इसलिए फांसी से पहले पूछी जाती है आखिरी इच्छा

आपने टीवी सीरियल या फिल्मों में यह जरूर देखा होगा कि जब किसी व्यक्ति को फांसी की सजा दी जाती है, तो उस व्यक्ति से उसकी आखिरी इच्छा जरूर पूछी जाती है। हालांकि, क्या आपने कभी सोचा है कि आखिर क्यों एक कैदी या अपराधी से उसकी आखिरी इच्छा पूछी जाती है? इसके अलावा आपने कभी यह सोचने की कोशिश की है कि आखिरी इच्छा में कैदी अपनी सजा माफ करने की इच्छा क्यों नहीं मांगता? अगर आप इसका जवाब नहीं जानते, तो कोई बात नहीं आज हम आपको इसके बारे में विस्तार से बताएंगे। दरअसल, फांसी से पहले एक कैदी से उसकी आखिरी इच्छा पूछने की परंपरा कई सदियों से चली आ रही है। क्योंकि पहले के लोगों का मानना था कि अगर मरने वाले की आखिरी इच्छा पूरी ना कि जाए, तो उसकी आत्मा भटकती रहती है। इसलिए आज भी जब किसी कैदी को फांसी की सजा सुनाई जाती है, तो उसे फांसी देने से पहले उसकी आखिरी इच्छा जरूर पूछी जाती है। हालांकि, बता दें कि जेल मैनुअल में कैदी की आखिरी इच्छा पूरी करने जैसा कोई प्रावधान नहीं है। लंबे समय तक दिल्ली जेल में लॉ अफसर रह चुके सुनील गुप्ता ने मीडिया से बात करते हुए बताया था कि ऐसा इसलिए है क्योंकि अगर एक अपराधी आखिरी इच्छा पूरी करने के नाम पर यह कहे कि उसे फांसी की सजा ना दी जाए, तो ऐसे में उसकी यह बात नहीं मानी जा सकती। इसलिए जेल मैनुअल में आखिरी इच्छा पूरी करने जैसा कोई प्रावधान नहीं है। लेकिन परंपरा के मुताबिक आज भी कैदियों से उनकी आखिरी इच्छा पूछी जाती है।

इन इच्छाओं को किया जाता है पूरा

बता दें कि फांसी की सजा प्राप्त अपराधी को अपनी आखिरी इच्छा पूरी करने का मौका तो दिया जाता है, लेकिन ये इच्छा एक सीमित दायरे में ही तय होती है। आखिरी इच्छा के नाम पर एक कैदी की नीचे दी गई तीन इच्छाएं ही पूरी की जाती हैं।

- अगर एक कैदी अपना कोई मनपसंद खाना खाने की इच्छा जताता है, तो जेल प्रशासन द्वारा उसकी यह इच्छा खुशी-खुशी पूरी की जाती है। -इसके अलावा कैदी आखिरी इच्छा के रूप में अपने परिवार वालों से मिलने की इच्छा जताता है, तो भी जेल प्रशासन उसे उसके पूरे परिवार से मिलवा देता है।
- वहीं कैदी अपने आखिरी समय में अपने धर्म की कोई पवित्र पुस्तक पढ़ने की इच्छा जताता है, तो उसकी इस इच्छा को भी पूरा किया जाता है।

12वीं के बाद आयुर्वेद के क्षेत्र में बना सकते हैं

बेहतरीन करियर

12वीं करने के बाद ज्यादातर छात्र एक ऐसा करियर विकल्प चुना चाहते हैं, जिसमें वे एक अच्छा भविष्य बना सकें। 12वीं (बायोलॉजी) से करने बाद छात्रों के बीच MBBS करना काफी लोकप्रिय है, लेकिन सभी छात्र MBBS नहीं कर सकते हैं। आयुर्वेद में करियर बनाना भी एक अच्छा विकल्प है।

क्या है आयुर्वेद ?

जड़ी बूटियों के उपचारात्मक गुणों पर आयुर्वेद चिकित्सा आधारित होता है।

आयुर्वेद उपचार करने का -एक तरीका है, जो बीमारियों के लिए प्राकृतिक उपचार से प्रेरित है।

-आज के समय में आयुर्वेद ने अपना एक महत्वपूर्ण स्थान प्राप्त किया है। आयुर्वेद दुनिया की प्राचीन चिकित्सा प्रणालियों में से एक है।

-इसकी मदद न केवल इलाज करने में ली जाती है बल्कि ये बीमारियों की पुनरावृत्ति को भी रोक रहा है।

-आयुर्वेदिक डॉक्टरों को आयुर्वेद के लिए जाना जाता हैं।

12वीं के बाद करें ये

आयुर्वेदिक डॉक्टर बनने के लिए 12वीं पास करने के बाद आप बैचलर ऑफ आयुर्वेद मेडिसिन एंड सर्जरी मेडिकल क्षेत्र में एक एकीकृत डिग्री है। यह डिग्री कार्यक्रम उन छात्रों के लिए हैं, जो आधुनिक दवाओं और पारंपरिक आयुर्वेद का अध्ययन करना चाहते हैं।

-BAMS स्नातक डिग्री पाठ्यक्रम है। यह प्रोग्राम साढ़े पांच साल का है। जिसमें साढ़े चार साल का शैक्षणिक सत्र और लाइव प्रैक्टिकल के साथ एक साल की इंटर्नशिप होगी।

प्रवेश के लिए दे सकते हैं ये परीक्षा

-BAMS करने के लिए छात्र फिजिक्स, केमिस्ट्री और बायोलॉजी के साथ 12वीं करने के बाद NEET परीक्षा भी दे सकते हैं। इसके साथ ही वे स्टेट लेवल की और अन्य परीक्षा जैसे OJEE, KEAM, CGET, BVP CET, IPU CET भी दे सकते हैं।

-आज के समय में आयुर्वेद ने अपना एक महत्वपूर्ण स्थान प्राप्त किया है। आयुर्वेद दुनिया की प्राचीन चिकित्सा प्रणालियों में से एक है।

-इसकी मदद न केवल इलाज करने में ली जाती है बल्कि ये बीमारियों की पुनरावृत्ति को भी रोक रहा है।

-आयुर्वेदिक डॉक्टरों को आयुर्वेद के लिए जाना जाता हैं।

-**BAMS** करने के बाद इन पदों पर करेंगे काम

-BAMS करने के बाद आपके सामने नौकरी के कई अवसर उपलब्ध हैं। वे अपना क्लिनिक शुरू कर सकते हैं और निजी प्रैक्टिस भी कर सकते हैं। कोई भी प्राइवेट या सरकारी अस्पतालों में भी स्नातक करने के बाद शामिल हो सकता हैं।

-BAMS के बाद आप लेक्चरर, वैज्ञानिक, थेरेपिस्ट, बिजनेस डेवलेपमेंट ऑफिसर, सेल्स प्रतिनिधि, प्रोडक्ट मैनेजर, फार्मेसिस्ट, आयुर्वेदिक मेडिकल आदि के पद पर काम कर सकते हैं।

आपको बता दें कि आज के समय में आर्युवेद में करियर विकल्प चुनना आपके लिए काफी अच्छा सबित हो सकता है।

क्रिएटिव राइटिंग से लेकर फोटो खींचने का है

शौक तो करें ये कोर्स

आपको भी लोगों से बातचीत करने में रूचि है, लिखने का शौक हैं तो आप भी जर्नलिज्म के फील्ड में अपना करियर आप बना सकते हैं। विभिन्न संस्थानों की ओर से पत्रकारिता में डिप्लोमा, ग्रेजुएट और पोस्ट ग्रेजुएट कोर्स ऑफर किए जाते हैं। जिसकी डिटेल्स आप देख सकते हैं। अगर आप जर्नलिज्म एंड मास कम्युनिकेशन में डिप्लोमा कोर्स करना चाहते हैं तो आपका 12वीं पास होना चाहिए। जबकि 12वीं क्लास पास करने वाले उम्मीदवार ग्रेजुएट कोर्स के लिए आवेदन कर सकते हैं। इसके अलावा जो उम्मीदवार पोस्ट ग्रेजुएशन करना चाहते हैं उन्हें किसी भी स्ट्रीम से ग्रेजुएट होना चाहिए। इन कोर्स को करने के बाद आप पत्रकारिता के क्षेत्र में शानदार करियर बना सकते हैं। इस फील्ड में बहुत ज्यादा पैसा है। आप किसी भी न्यूज चैनल या पोर्टल पर खबर लिख सकते हैं। इसके अलावा आप प्रोड्यूसर, डायरेक्टर, कंटेंट राइटर, एंकर रिपोर्टर आदि बन सकते हैं। इस कोर्स में किसी भी स्ट्रीम का स्टूडेंट दाखिला ले सकता है। 12वीं क्लास पास आउट करते ही, यह आप पर निर्भर करता है कि आपको डिप्लोमा कोर्स करना है। जो कि दो साल का होता है या फिर आपको बैचलर ऑफ आर्ट्स इन जर्नलिज्म एंड मास कम्युनिकेशन कर सकते है। तो यदि आप भी एक बहुत बड़ा जर्नलिस्ट, प्रोड्यूसर, फोटोग्राफर आदि बनना चाहते हैं तो देर न करें अभी जाएं और अच्छे से कॉलेज में जाकर ये कोर्स करके अपने सपनों को एक नई उड़ान दें।

कॉलेज की पढ़ाई के लिए ऐसे करें पैसों का इंतजाम

कई बार अच्छे कॉलेज में सेलेक्शन होने से ही संघर्ष खत्म नहीं होता। कई स्टूडेंट्स ऐसे होते हैं जिन्हें कॉलेज की पढ़ाई के लिए पैसों की व्यवस्था करनी होती है और वे समझ नहीं पाते कि ये काम कैसे करें। अगर आप भी उस श्रेणी में आते हैं जिसे कॉलेज की पढ़ाई के लिए फंड्स का इंतजाम करना है तो ये कुछ तरीके हैं जिन्हें आप अपना सकते हैं। इनसे आपका काम आसान हो सकता है।

स्कॉलरशिप कर सकती है मदद

स्कॉलरशिप एक तरीका है जिसकी मदद ली जा सकती है। बहुत से संस्थान स्कॉलरशिप ऑफर करते हैं। कहीं ये मेरिट के आधार पर मिलती है तो कहीं कैंडिडेट की सिचुएशन के मुताबिक। आपने जहां एडमिशन लिया है, वहां स्कॉलरशिप का क्या स्टेट्स है ये पता करें। इसके अलावा बहुत सी नेशनल और स्टेट लेवल की स्कॉलरशिप समय-समय पर निकलती रहती हैं, इन पर नजर रखें। स्कॉलरशिप पोर्टल पर जाकर इनके बारे में जानकारी पायी जा सकती है।

पेड प्रोग्राम भी चुन सकते हैं

अगर आप ऐसी कोई पढ़ाई कर रहे हैं जहां पेड प्रोग्राम चुनने का ऑप्शन हो, तो इसे सेलेक्ट करें। कई संस्थानों में कुछ ऐसे प्रोग्राम होते हैं जिन्हें करने पर महीन का कुछ स्टाइपिन दिया जाता है। कुछ इंडियन यूनिवर्सिटी ऐसा करती हैं। आप ऐसे एजुकेशनल प्रोग्राम के लिए अप्लाई कर सकते हैं।

पार्ट टाइम जॉब करें

एक तरीका ये भी है कि आप कॉलेज के बाद कोई पार्ट टाइम काम कर लें। आजकल फ्री लांसर के तौर पर बहुत से काम हैं जो इंटरनेट और लैपटॉप की मदद से किए जा सकते हैं। समय निकालें और अर्न करने की कोशिश करें। इसके साथ ही अपनी पढ़ाई के लिए पहले से पैसे बचाएं। ये छोटी-छोटी सेविंग बाद में बहुत काम आती हैं।

लोन स्कीम चेक करें

आज की तारीख में बहुत से बैंक और प्राइवेट इंस्टीट्यूट्स छात्रों को लोन देते हैं। आप अपनी जरूरत के मुताबिक लोन ले सकते हैं। स्टूडेंट्स के लिए लोन का इंट्रेस्ट कम रखने जैसे बहुत से इनिशिएटिव आरबीआई लेता रहता है. इंडियन बैंकों और आरबीआई की तरफ से स्टूडेंट्स को कई तरह की सुविधाएं दी जाती हैं।

GENERAL KNOWLEDGE

-किस देश के राष्ट्रपति का कार्यकाल एक साल का होता है?

उत्तर:-स्विट्जरलैंड में राष्ट्रपति का कार्यकाल एक साल का होता है।

-कौन सी चीज है जो बढ़ती ही जाती है कभी घटती ही नहीं?

उत्तर:-तो इसका जवाब है उम्र जो हमेशा बढ़ती रहती है।

-वह कौन सा फल है जिसका बीज बाहर होता है?

उत्तर:- इसका जवाब है स्ट्रॉबेरी, इसका बीज फल से बाहर होता है।

-इंसान की ऐसी कौन सी चीज हैं जो हमेशा गीली ही रहती है?

उत्तर:- इस सवाल का सही जवाब है जीभ।

-किस जानवर का दूध गुलाबी रंग का होता है?

उत्तर:-दरियाई घोड़े का

-वह कौनसा फल है जिसे बिना धोए खाया जा सकता है?

उत्तर:-केला ऐसा फल है जिसे बिना धोए खाया जा सकता है।

-ऐसा कौन सा जीव है जिसकी आंखें नहीं होती हैं?

उत्तर:-केंचुआ ऐसा जीव ही जिसकी आंखें नहीं होती हैं।

-दुनिया में ऐसा कौन सा जीव है, जिसके पास 32 दिमाग, 300 दांत और 10 आंखें होती हैं?

उत्तर:-दुनिया में लीच ही वो एकमात्र ऐसा जीव है, जिसके पास 32 दिमाग, 300 दांत और 10 आंखें होती हैं।

-भारत के किस राज्य के लोग कुत्ते का मांस खाते हैं?

उत्तर:-भारत के उत्तरपूर्व में बसा राज्य नागालैंड ही वो जगह है, जहां के लोग कुत्ते का मांस खाते हैं।

-वह कौन है जो दिन में तो होता है लेकिन रात में नहीं होता है?

उत्तर:-इसका जवाब है सूरज।

-बताओ उस चीज का नाम क्या है जिसे बिना तोड़े इस्तेमाल नहीं कर सकते?

उत्तर:-अंडा

-मनुष्य के दिमाग का वजन कितने किलोग्राम होता है?

उत्तर:-दरअसल, मनुष्य के दिमाग का वजन 1350 ग्राम होता है।

-भारत में पहली बार यूपीएससी की परीक्षा कब हुई थी?

उत्तर:-आपको बता दें कि भारत में पहली बार यूपीएससी की परीक्षा 1950 ईस्वी में हुई थी।

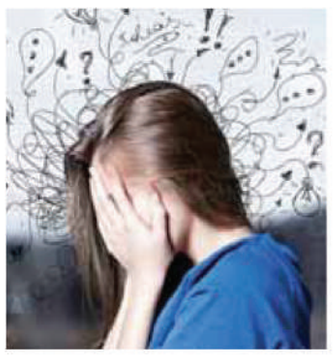

नकारात्मकता को इस तरह से करें बाय-बाय

नकारात्मकता एक ऐसी चीज हैं, जो मानव को शारीरिक और मानसिक दोनों तरह से पीड़ा पहुंचाती हैं। यह मानव के सफलता के रास्ते को असफलता में भी परिवर्तित करती हैं, जिससे कभी-कभी हालात यह भी बनते है, कि व्यक्ति उसके कारण तनाव में भी आ जाता है। परन्तु, आप चाहते हैं कि, आप इस प्रकार की नकारात्मक सोच से बचे रहे और सकारात्मकता को अपनाये, तो आपको इन बातों पर ध्यान देने की आवश्यकत है।

- सामने वाले व्यक्ति से बात करने से बेहतर हैं, पहले हम खुद से बात करके देखें, वो भी सकारात्मक रवैये में अगर आप ऐसा करने में कामयाब रहते हैं, तो आप आधा मैदान जीत जायेंगे।
- खुशी छोटी हो या आदते। आप सबका जश्न मनाये. ऐसा करने से आपके भीतर सकारात्मकता खुद ब खुद प्रवेश करेगी, और नकारात्मकता दूर होती चली जाएगी।
- हर दफा दु:ख और तकलीफ में रहने वाला व्यक्ति कभी अपने चेहरे पर मुस्कान नहीं देख सकता है। नकारात्मकता को दूर करने के लिए स्वयं को आजादी दे, और दिल खोल कर जोर-जोर से हंसने का प्रयास करें।
- मुश्किलों का सामना डटकर करें। कदम पीछे न बढ़ाएं।
- बीते समय को भूलकर बस अपने वर्तमान पर अपना ध्यान केन्द्रित करे।

रेनबो मॉडर्न स्कूल में हुआ लाभार्थी सम्मेलन, भाजपा के दिग्गजों का हुआ जमावड़ा

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा की यह सरकार सेवा सुशासन और गरीब कल्याण के लिए अन्य तमाम योजनाओं को क्रियान्वित कर रही है। चुनाव के समय जो अपने संकल्प पत्र में कहा उसे अक्षरसः पुर्ण कर रही है। यह बात आज झारखंड प्रांत के चतरा लोकसभा से भाजपा सांसद सुनील कुमार सिंह ने गाजीपुर सदर विधानसभा में भारतीय जनता पार्टी की ओर से रेनबो मॉडर्न स्कूल नन्दगंज में आयोजित लाभार्थी सम्मेलन में मुख्य अतिथि के रूप में कही। उन्होंने शुद्ध भोजपुरी में लाभार्थियों से पुछा कि 2014 पहले क्या आपने कोई ऐसी सरकार देखी थी जो योजनाओं को लागू करने के बाद जनता के बीच जाकर उनसे उस योजना के लाभ बारे में लाभार्थियों से भेंट कर पूछा हो कि आपकी कौन सी जरुरत अधुरी रह गई। सांसद ने कहा कि राशन कार्ड और प्रधानमंत्री आवास के साथ-साथ उज्जवला गैस के लिए महिलाओं को ही घर का मुखिया क्यों बनाया गया। क्योंकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की यह सोच है कि घर तो नारी चलाती हैं, तो घर की मालकिन भी वही बने। उन्होंने कहा कि नारी का पुरा जीवन अपने वजूद की लड़ाई में ही व्यतीत हो जाता था लेकिन भारतीय जनता पार्टी ने योजनाओं के माध्यम से महिलाओं को उनका हक और सम्मान दिया है।और आज हर योजना का लाभ सीधे-सीधे लाभार्थियों के खाते में जा रहा है। उन्होंने कहा कि 2014 से जो गरीब कल्याण, राष्ट्र सम्मान के क्षेत्र में कार्य शुरू हुआ है वह 2024 के बाद तक भी लगातार चलता रहेगा। सांसद ने कहा कि गरीब घरों के परिवार में जब कोई बीमार हो जाता था तो घर के मुखिया के समक्ष घर के गहने तथा जमीन गिरवी रखकर उसके चिकित्सा की व्यवस्था की जाती रही थी लेकिन इस क्षेत्र में काम करने वाली पहली भारतीय जनता पार्टी की सरकार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में गरीब परिवार के चिकित्सा की संपूर्ण जिम्मेदारी लेते हुए आयुष्मान कार्ड के माध्यम से 5 लाख तक की चिकित्सा देश के किसी भी बड़े हॉस्पिटल में करवाने की सुविधा प्रदान की। उन्होंने कहा कि राष्ट्र और जनता की सेवा के लिए भारतीय जनता पार्टी ने त्याग तपस्या बलिदान को समय समय पर स्वीकार किया है। उन्होंने कहा कि 2047 का भारत कैसा हो इस सोच और सपनों को लेकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी काम कर रहे हैं।

जिला अध्यक्ष भानु प्रताप सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लाल किले के प्राचीर से अपने पहले उद्बोधन में स्वच्छता और शौचालय की बात कही थी और सिर्फ कहीं ही नहीं थी बल्कि उन्होंने शौचालय निर्माण के लिए 12 हजार की प्रोत्साहन राशि देकर शौचालयों के निर्माण को प्रेरित किया। गरीब असहाय लोगों को आर्थिक मजबूती प्रदान करने के लिए उन्होंने करोड़ों लोगों का जनधन खाता खुलवाया जिसके माध्यम से जीवन बीमा तथा 10 हजार तक की क्रेडिट राशि की सुविधा उपलब्ध कराई जिसके कारण आज आम आदमी को किसी भी मजबुरी में किसी साहूकार के आगे अपने घरों के सामान गिरवी रखने तथा सूद पर कर्ज लेने की परंपरा से मुक्ति मिली जिला अध्यक्ष ने कहा कि यह यह वही प्रदेश है जहां कभी जले हुए ट्रांसफार्मर को लगाने के लिए उपभोक्ताओं को चंदे की व्यवस्था करनी पड़ती थी लेकिन अब केन्द्र व उत्तर प्रदेश की सरकार आप सबके जन जीवन को सुखी समृद्ध बनाने तथा देश को मजबूत करने का काम कर रही है।

सम्मेलन को जिला पंचायत अध्यक्ष सपना सिंह एवं नगर पालिका अध्यक्ष सरिता अग्रवाल तथा अभिनव सिन्हा ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम में आए हुए अतिथियों तथा लाभार्थियों के प्रति लोकसभा संयोजक कृष्ण बिहारी राय ने आभार धन्यवाद व्यक्त किया। इस अवसर पर प्रदेश कार्यसमिति सदस्य प्रोफेसर सोभनाथ यादव, दयाशंकर पांडेय, रामनरेश कुशवाहा, बृजनंदन सिंह, श्याम राज तिवारी, अखिलेश राय, विधानसभा संयोजक सुरेश बिंद, रुद्रा पांडेय, सोमारु चौहान, मीडिया प्रभारी शशिकान्त शर्मा, मनोज बिंद, गोपाल राय, पवनजय पांडेय, विनीत शर्मा, विश्वप्रकाश अकेला, मयंक जायसवाल सहित आदि अन्य लोग उपस्थित थे संचालन पार्टी के वरिष्ठ नेता रविंद्र श्रीवास्तव ने किया।

ज्ञानवापी केस अखिलेश-ओवैसी हेट स्पीच मामले में अब 7 जुलाई को होगी सुनवाई, कोर्ट पहुंचे अखिलेश के अधिवक्ता अनुज यादव

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। ज्ञानवापी केस ज्ञानवापी मस्जिद के वजूखाने में मिले कथित शिवलिंग को लेकर पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव और एआईएमआईएम चीफ असदुद्दीन ओवैसी द्वारा दिए गए हेट स्पीच मामले में सुनवाई अब सात जुलाई को होगी` शनिवार को अपर जिला जज नवम विनोद कुमार सिंह ने इस मामले में अगली तारीख दे दी शनिवार को कोर्ट में पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के अधिवक्ता अनुज यादव ने कोर्ट में अपना वकालतनामा दाखिल किया`**अपर जिला जज नवम विनोद कुमार सिंह ने की सुनवाई** – अखिलेश- ओवैसी हेट स्पीच और अंजुमन इंतेजामिया मसाजिद कमेटी द्वारा कथित शिवलिंग के स्थान पर गन्दगी फैलाने की निगरानी याचिका पर अपर जिला जज नवम विनोद कुमार सिंह की अदालत में

शनिवार को सुनवाई हुई इस सुनवाई में कोर्ट में अखिलेश यादव के अधिवक्ता अनुज यादव, लखनऊ खंडपीठ के अधिवक्ता दिनेश उपाध्याय और अंजुमन इंतजामिया मसाजिद कमेटी व अन्य की तरफ से श्रीनाथ त्रिपाठी ने वकालतनामा दाखिल किया` सभी ने आपत्ति के लिए निगरानी याचिका की प्रति की मांग की इसके बाद कोर्ट ने 7 जुलाई अगली तारीख दे दी है`

हिन्दू भावनाओं के आहत होने का है मामला – इस सम्बन्ध में याचिकाकर्ता वकील हरिशंकर पांडेय ने बताया कि ज्ञानवापी परिसर आराध्य देवता शिव का है जब उसमे कथित शिवलिंग मिला तो असदुद्दीन ओवैसी, अखिलेश यादव ने और कई अन्य नेताओं ने गलत बयानबाजी की थी इससे हिन्दुओं की भावनाएं आहत हुई थीं इसके अलावा शिवलिंग एक पास मुस्लिम बंधू वजू कर गन्दगी फैलाते आ रहे हैं वर्षो से इसलिए कमेटी के पदाधिकारियों पर मुकदमा दर्ज होना चाहिए।

पीएम का नाम नहीं बताने पर असलहे के दम पर देवर से कराई शादी, साली ने पूछा था सवाल

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। सैदपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत एक गांव में शनिवार को एक हैरतअंगेज मामला प्रकाश में आया है। जिसमें शादी की सारी रस्में पूरा होने के बाद सुबह खिचड़ी के रस्म के दौरान साली ने दूल्हे से देश के प्रधानमंत्री का नाम पूछ लिया। जब दूल्हा प्रधानमंत्री का नाम नहीं बता पाया तो दुल्हन के परिजनों ने उसे दिमाग का हल्का बताते हुए मौके पर मौजूद दूल्हे के छोटे भाई से जबरदस्ती शादी करा दी। सैदपुर थाना क्षेत्र के नसीरपुर गांव निवासी शिव शंकर उम्र 27 वर्ष पुत्र राम अवतार राम की शादी बीते 11 जून को करंडा थाना के बसंत पट्टी गांव निवासी लखेलू राम की पुत्री रंजना से हुई। 6 माह पूर्व लड़की पक्ष ने लड़के का तिलक भी चढ़ाया था। इसके बाद लड़का और लड़की मोबाइल द्वारा एक दूसरे से बातचीत किया करते थे। 11 जून को बारात लेकर शिव शंकर शादी के लिए लड़की के घर पहुंचा। जहां रात को शादी की सभी रीति रिवाज के साथ रंजना की शादी कराई गई। सुबह

खिचड़ी की रस्म अदा की जा रही थी। इस दौरान शिव शंकर से उसकी सालियां और साले हंसी मजाक कर रहे थे। तभी शिव शंकर की एक साली ने उससे देश के प्रधानमंत्री का नाम पूछ लिया। लेकिन शिव शंकर नहीं बचा पाय यह देखते ही लड़की के परिजन लड़के को हाफ माइंड बताने लगे। लड़के के पिता रामअवतार का आरोप है कि लड़की पक्ष के लोगों ने बड़े लड़के शिव शंकर को हाफ माइंड बताते हुए असलहे के दम पर लड़की की शादी बारात में गए मेरे छोटे लड़के अनन्त से करा दी।जबकि अनन्त की उम्र भी अभी कम है। इसके बावजूद लॉक लग जा के डर के मारे उक्त शादी को मान्यता देते हुए बहू को लेकर घर आ गए। शनिवार को अचानक लड़की पक्ष के लोग आ गए और बहू की विदाई के लिए दबाव बनाने लगे।लड़का पक्ष के मना करने पर वह जबरदस्ती बहू को खींचकर ले जाने लगे। तब आनन-फानन में 112 नंबर पुलिस हेल्पलाइन पर फोन कर मामले की सूचना दिया गया। जिसके बाद दोनों पक्षों को सैदपुर थाने लाया गया।

स्व. विश्वनाथ सिंह गहमरी सेवन "ए" साइड हॉकी प्रतियोगिता संपन्न

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। पूर्व सांसद स्व0 विश्वनाथ सिंह गहमरी सेवन ए साईड हॉकी प्रतियोगिता का समापन आज नेहरू स्टेडियम गोराबाजार में सम्पन्न हुआ। इस खेल प्रतियोगिता के समापन के अवसर पर उपस्थित मुख्य अतिथि अध्यक्ष नगर पालिका परिषद सरिता अग्रवाल ने खिलाड़ियो से परिचय प्राप्त किया। प्रतियोगिता का फाईनल मैच डीएचए गाजीपुर एवं चंबल विजार्ड के मध्य खेला गया जिसमें डीएचए गाजीपुर ने अपने प्रतिद्वंद्वी चंबल विजार्ड को 06-04 से पराजित कर खिताब अपने नाम किया। कार्यक्रम के अंत में मुख्य अतिथि ने खिलाड़ियो मे पुरस्कार वितरण किया गया। प्रतियोगिता में अंपायर की भूमिका बृजेश कुमार हॉकी कोच, रविशंकर गुप्ता, करण कुमार, रामा ने निभाया। इस अवसर पर हॉकी कोच नफीस अहमद, सभासद प्रतिनिधि मो0 शाहिद, सभासद प्रतिनिधि रणजीत यादव, जूबेर अहमद, मो0 इलियास, मोहम्मद जावेद मोहम्मद परवेज उर्फ गुलतु, दुर्गेश पाल अन्तराष्ट्रीय खिलाड़ी, राजन प्रजापति, दिनेश यादव, सुदामा एवं अन्य खेल प्रेमी उपस्थित रहे।

कर्मचारी पुत्र जेईई एडवांस में चयनित

प्रखर केराकत जौनपुर। चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी अजय सिंह के पुत्र आर्यन सिंह का चयन जेईई एडवांस के लिए हुआ है। रविवार को घोषित परीक्षा परिणाम में उसने 1983 वीं रेंक

अर्जित करते हुए जिले को गौरवान्वित किया। मालूम हो कि जिले के एक प्रतिष्ठित निजी विद्यालय से फिजिक्स, केमिस्ट्री, मैथ विषय के साथ अच्छे अंकों से इंटरमीडिएट उत्तीर्ण करने के दौरान वह इंजीनियरिंग में प्रवेश के लिए गंभीर हुआ। आर्यन ने बताया कि बिना कोचिंग किए घर पर ही रहकर तैयारी करते हुए उसने यह सफलता अर्जित की। उसने सफलता का श्रेय अपने माता अध्यापिका जूही सिंह पिता अजय सिंह एवं कालेज अध्यापकों को दिया। उसकी सफलता पर चतुर्थ श्रेणी के कर्मचारीयो व परिजनों ने बधाई देते हुए उज्जवल भविष्य की कामनाएं की।

एमएलसी चंचल के साथ लोगों ने सुनी मन की बात का 102वां एपिसोड

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। सैदपुर विधानसभा क्षेत्र के शक्ति केंद्र बहेरी बूथ संख्या 39 पर आज गाजीपुर एमएलसी विशाल सिंह चंचल की उपस्थिति मे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा 102 वां मन की बात कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में स्थानीय समस्त भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता मंडल अध्यक्ष सेक्टर संयोजक सहित समस्त कार्यकर्ता गण व आम जनमानस उपस्थित रहे। आज प्रधानमंत्री ने अपने उद्बोधन में गुजरात में आए साइक्लोन बिपरजाय का मुकाबला कर रहे स्थानीय साहसी आम जनमानस व आपदा प्रबंधन के लोगों का हौसला बढ़ाने का कार्य किया। प्रधानमंत्री ने कहा कि कक्ष के लोगों का हौसला बुलंद है। वहां के आपदा प्रबंधन की व्यवस्था भारत के लिए उदाहरण बन रही है। इस भीषण गर्मी में प्रधानमंत्री ने जल संरक्षण की बात करते हुए कहां की बुंदेलखंड के लोगों ने 40 से ज्यादा तालाब बनाया है। वहां का भूजल स्तर स्थानीय लोग सुधारने का कार्य कर रहे हैं। यूपी के हापुड़ जिले में सूखी नदी को लोगों ने उसे फिर से जीवित करने का कार्य किया है। नदी, तालाब यह जीवन के सरोवर है। पांच दशक इंतजार के

बाद प्रबंधन के जरिए लोग अब जल का बचाव कर रहे हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत ने 2025 तक टीवी रोग से भारत को मुक्त करने का संकल्प लिया है। क्षय रोग को जड़ से समाप्त करने का भारत के कई फाउंडेशन व आम जनमानस ने मरीजों को गोद लेकर भारत से क्षय को मिटाने का संकल्प ले लिया है। नैनीताल के एक निवासी ने टीवी के छह मरीजों को गोद लेने का कार्य किया है। ततपश्चात उमा पब्लिक स्कूल में गिरजेश सिंह और अतुल सिंह के नेतृत्व में बेलहरी में हनुमान जी के मंदिर में जनसम्पर्क किया गया उसके बाद गोरखा गाँव में ग्राम प्रधान पन्ना लाल राम और प्रेम शंकर सिंह जी के नेतृत्व में जनसंपर्क किया गया जहाँ बड़ी संख्या में ग्रामवासी हमारी विचारधारा को सुने। मन की बात कार्यक्रम के दौरान मंडल अध्यक्ष श्याम कुमार मौर्या, मण्डल महामंत्री सैलु जी ,बूथ अध्यक्ष दिनेश मौर्य, उमेश मौर्य, राजेंद्र गुप्ता, हरिनाथ पाल, संजीव सिंह, राजेश सिंह, तेज बहादुर सिंह, पूर्व जिला उपाध्यक्ष रघुवंश सिंह पप्पू, विधानसभा संयोजक नरेंद्र पाठक, मिथिलेश दीक्षित, लाल बहादुर यादव, संजीव पांडे, अचल सिंह, राधा विनोद तिवारी, एमएलसी प्रतिनिधि डॉ प्रदीप पाठक, अनूप जायसवाल, अमित नागवंशी, युवा नेता पवन सिंह, नंदलाल यादव, आदि लोग उपस्थित रहे।

मन की बात हो गई है जन-जन की बात : प्रमोद वर्मा

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात के 102वें एपिसोड को रेडियो के माध्यम से आज जखनियां मण्डल प्रथम के बूथ संख्या 205 पर महादेवा प्रांगण में मनरेगा मजदूरों के साथ भाजपा कार्यकताओं ने सुना। उक्त अवसर पर भाजपा व्यापार प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष प्रमोद वर्मा ने कहा "प्रधानमंत्री के मन की बात जन जन की बात हो गयी है।"मन की बात का आज का कार्यक्रम समय से पहले हो रहा है, यह कार्यक्रम हर महीने के आखिरी रविवार को होता है। पीएम मोदी ने कहा कि आप सब जानते ही हैं, अगले हफ्ते मैं अमेरिका में रहूंगा और वहां बहुत सारी भाग-दौड़ भी रहेगी और इसलिए मैंने सोचा, वहां जाने से पहले आपसे बात कर लूं, और इससे बढ़िया क्या होगा? जनता-जनार्दन का आशीर्वाद, आपकी प्रेरणा, मेरी ऊर्जा भी बढ़ती रहेगी। प्रधानमंत्री ने कहा कि मैं, जब भारत के सामान्य मानवी के प्रयास, उनकी मेहनत, उनकी इच्छाशक्ति को देखता हूं, तो खुद अपने आप, अभिभूत हो जाता हूं, बड़े से बड़ा लक्ष्य हो, कठिन-से-कठिन चुनौती हो, भारत के लोगों का सामूहिक बल, सामूहिक शक्ति, हर चुनौती का हल निकाल देता है. साइक्लोन बिपरजाय ने कच्छ में कितना कुछ तहस-नहस कर दिया, लेकिन, कच्छ के लोगों ने जिस हिम्मत और तैयारी के साथ इतने खतरनाक साइक्लोन का मुकाबला किया, वो भी उतना ही अभूतपूर्व है।

पीएम मोदी ने कहा कि साथियों, प्राकृतिक आपदाओं पर किसी का जोर नहीं होता, लेकिन बीते वर्षों में भारत ने आपदा प्रबंधन की जो ताकत विकसित की है, वो आज एक उदाहरण बन रही है. प्राकृतिक आपदाओं से मुकाबला करने का एक बड़ा तरीका है- प्रकृति का संरक्षण। आजकल, मॉनसून के समय में तो इस दिशा में हमारी जिम्मेदारी और भी बढ़ जाती है. इसीलिए ही आज देश कैच द रेन जैसे अभियानों के जरिए सामूहिक प्रयास कर रहा है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि इस महीने की शुरूआत में ही छत्रपति शिवाजी महाराज के राज्याभिषेक के 350 वर्ष पूरे हुए हैं, इस अवसर को एक बड़े पर्व के रूप में मनाया जा रहा है। इस दौरान महाराष्ट्र के रायगढ़ किले में इससे जुड़े भव्य कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। यह हम सबका कर्तव्य है कि इस अवसर पर हम छत्रपति शिवाजी महाराज के प्रबंध कौशल को जानें, उनसे सीखें। इससे हमारे भीतर, हमारी विरासत पर गर्व का बोध भी जगेगा, और भविष्य के लिए कर्तव्यों की प्रेरणा भी मिलेगी। पीएम मोदी ने कहा कि भारत ने संकल्प किया है 2025 तक, टी.बी. मुक्त भारत बनाने का। जन-भागीदारी ही टी.बी. मुक्त भारत अभियान की सबसे बड़ी ताकत है। भारत को टी.बी. मुक्त बनाने की मुहिम में हमारे बच्चे और युवा साथी भी पीछे नहीं हैं। हम भारतवासियों का स्वभाव होता है कि हम हमेशा नए विचारों के स्वागत के लिए तैयार रहते हैं। हम अपनी चीजों से प्रेम करते हैं और नई चीजों को आत्मसात भी करते हैं। पीएम मोदी ने कहा कि इसी महीने खेल जगत से भारत के लिए कई बड़ी खुशखबरी आई हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा कि साथियों इंटरनेशनल आयोजनों में देश की इस सफलता के पीछे राष्ट्रीय स्तर पर हमारे खिलाड़ियों की कड़ी मेहनत होती है। इस वर्ष योग दिवस की थीम है "योगा फॉर वसुधैव कुटुम्बकम" यानी एक विश्व-एक परिवार के रूप में सबके कल्याण के लिए योग। यह योग की उस भावना को व्यक्त करता है, जो सबको जोड़ने वाली और साथ लेकर चलने वाली है। वर्मा ने कहा मन की बात हमेशा देश के लिये प्रेरणा का काम करती है। हम सबको पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लेना चाहिए और अधिक से अधिक पेड़ पौधों को लगाना चाहिए।

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के लिए सीडीओ व नपा अध्यक्ष ने की बैठक

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। मुख्य विकास अधिकारी संतोष कुमार वैश्य एवं अध्यक्ष नगर पालिका परिषद सरिता अग्रवाल की उपस्थिति में विकास भवन सभागार में नवम् अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस 21 जून, 23 को सम्पन्न कराने हेतु समिति की बैठक आयोजित हुयी। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी ने बताया कि नवम् अन्तराष्ट्रीय योग दिवस 21 जून 23 को को प्रातः 06 बजे से 08 बजे तक योगाभ्यास कार्यक्रम पुलिस लाईन परेड ग्राउण्ड गाजीपुर में सम्पन्न किया जायेगा। जिसमें लाभार्थियों ज्यादा से ज्यादा योगाभ्यास में उपस्थित हो इसकी चर्चा की गयी। उन्होने समस्त कार्यक्रम को समुचित ढंग से ससमय सम्पन्न कराने हेतु अद्योहस्ताक्षरी को कार्यक्रम का प्रभारी अधिकारी तथा मुख्य राजस्व अधिकारी व अपर जिलाधिकारी, वित्त एवं राजस्व को सहायक प्रभारी अधिकारी जिलाधिकारी द्वारा नामित किया गया है। वो अपना कार्य शत प्रतिशत ससमय करेगे। उन्होने बताया कि गठित समितियों के सदस्य के रूप में सौपे गये कार्यो एवं उत्तरदायित्वों का निर्वहन करते हुए कार्यक्रम नोडल अधिकारी डा0 जयन्त कुमार क्षेत्रीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी

(मो0नं0 9450753538) से समन्वय स्थापित कर कार्यक्रम स्थल पुलिस लाईन परेड ग्राउण्ड गाजीपुर में प्रातः 05:30 बजे से कार्यक्रम सम्पन्न किया जायेगा। मुख्य विकास अधिकरी ने समस्त जनपद गाजीपुर के जनपदवासियों से अपील किया है कि 21 जून, 2023 को पुलिस लाईन परेड ग्राउण्ड में उपस्थित होकर कार्यक्रम को सफल बनाये एवं अपने स्वास्थ्य सम्बन्धित जानकारी भी प्राप्त करे।

संक्षिप्त खबरें

हेड कांस्टेबल सुरेश चंद्र उपाध्याय पंचतत्व में विलीन, दिया गया गॉड ऑफ ऑनर

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। शनिवार 17 जून को समय करीब रात्रि 8:00 बजे हेड कांस्टेबल श्री सुरेशचंद्र उपाध्याय पुत्र भागवत उपाध्याय, पीएनओ-822009151, ग्राम सरस्वती पोस्ट तिहा थाना बडहलगंज जनपद गोरखपुर के रहने वाले थे। जिनकी वर्तमान तैनाती सम्मन सेल जनपद गाजीपुर में थी स्वास्थ्य कारणों से तबीयत खराब होने की वजह से जनता की सूचना पर पीआरवी 3157 के द्वारा जिला चिकित्सालय गाजीपुर में दिखाया गया । तबियत गम्भीर होने पर डाक्टर के द्वारा बीएचयू भेजा गया, जहा पर डॉक्टर ने उन्हें रात्रि करीब 10 बजे मृत घोषित किया गया। मौके पर मृतक हेड कांस्टेबल के परिजन बीएचयू अस्पताल में उपस्थित थे । पुलिस अधीक्षक गाजीपुर द्वारा शोक संवेदना व्यक्त करते हुए गार्ड ऑफ ऑनर देकर मृतक हेड कांस्टेबल के पार्थिव शरीर को अन्तिम विदाई दी गई। तथा शोकाकुल परिवार को हर सम्भव मदद हेतु निर्देशित किया गया।

नई रेलवे ट्रैक का सीआरएस ने किया निरीक्षण, अब ट्रेन संचालन की मिलेगी अनुमति

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। जिले में प्रधानमंत्री मोदी के ड्रीम प्रोजेक्ट में शुमार ताड़ीघाट मऊ नई रेल लाइन का बीती देर शाम सीआरएस द्वारा निरीक्षण किया गया। सीआरएस निमार्णाधीन रेलवे कम रोड ब्रिज का बारीकी से निरीक्षण किया। सीआरएस ने गाजीपुर सिटी स्टेशन से सोनवल स्टेशन तक रेलवे ट्रैक का निरीक्षण किया। एडीआरएम राहुल श्रीवास्तव ने बताया सीआरएस द्वारा रिपोर्ट प्रस्तुत की जाएगी। रेलवे के अधिकारियों के मुताबिक एनईआर के सीआरएस द्वारा निरीक्षण एवं स्पीड ट्रायल होने के बाद इस रूट पर चलने वाली पैसेंजर ट्रेन का संचालन आने वाले दिनों में सिटी स्टेशन तक होने लगेगा। बताते चलें कि पहले चरण की यह परियोजना जिसकी कुल लंबाई 9.600 किमी है। अधिकारियों ने बारीकी से ट्रैक, सिग्नल पॉइंट, क्रॉसिंग, लाइटिंग आदि का निरीक्षण किया। ताड़ीघाट गाजीपुर सिटी मऊ नई रेल लाइन के रेल संरक्षा आयुक्त के दौरे से पहले रेलवे ने फुल लोड मालगाड़ी को संचालित किया था। संचालन के बाद टेस्ट किया गया जो पूरी तरह से सफल रहा। रेल संरक्षा आयुक्त के निरीक्षण के बाद ही एक नई रेल लाइन पर ट्रेन संचालित करने की अनुमति मिलेगी। इस परियोजना का प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दिसंबर में उद्घाटन करेंगे।

नगसर थाना प्रभारी ने महिला सशक्ति करण अभियान के तहत लगाया चौपाल

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। नगसर थाना क्षेत्र के ग्राम सभा गोहदा ग्राम पंचायत भवन पर रविवार को थाना प्रभारी निरीक्षक जीतेन्द्र कुमार,उप निरीक्षक बृजमोहन व महिला पुलिस सुजाता पान्डे,नीलम, सरिता के द्वारा महिला चौपाल का आयोजन किया गया। जिसमें ग्राम सभा गोहदा की बच्चियों एवं महिलाओं को महिला सशक्तिकरण, मिशन शक्ति, नारी सुरक्षा, नारी सम्मान एवं नारी स्वावलंबन के बारे मे सरकार की योजनाओं से अवगत कराया गया। मिशन शक्ति के तहत महिलाओं को सुरक्षा से संबंधित हेल्प लाइन नंबरों के बारे में जैसे 1076 मुख्यमंत्री हेल्प लाइन,1090 विमन पावर हेल्प लाइन,1930 साइबर अपराध हेल्प लाइन,102 स्वास्थ्य सेवा,108 एंबुलेंस सेवा,1098 चाइल्ड हेल्प लाइन के बारे में बिस्तार पुर्वक बताया गया। इस चौपाल के दौरान नगसर थाना प्रभारी निरीक्षक जीतेन्द्र कुमार, उप निरीक्षक बृजमोहन, महिला पुलिस कर्मी सुजाता पान्डे , नीलम, सरिता, सहायक पंचायत और ग्राम प्रधान नीता सिंह के अलावा सैकड़ों महिलाएं मौजूद रहीं।

प्रखर पूर्वांचल
RNIUPHIN/2016/68754
मुद्रक प्रकाशक 'पंकज सिंह' के लिए सम्पादक 'अरूण सिंह' द्वारा 'गायत्री प्रिंटिंग प्रेस' सकलेनाबाद नियर दुर्गा चौक, गाजीपुर पिन कोडः 233001 से छपवाकर कनेरी गाजीपुर से प्रकाशित
सम्पादकीय कार्यालयः 9/10, टैगोर मार्केट, कचहरी, गाजीपुर पिन कोडः 233001
सम्पर्क सूत्रः 0548-2223833, +91-8858563779 +91-9450208067, +91-9452844802
सभी विवाद गाजीपुर न्यायालय के अधीन होगें।
ताजा खबर पढ़ने के लिए लॉगइन करें हमारी वेबसाइट
https://prakharpurvanchal.com
Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com
सांध्य दैनिक प्रखर पूर्वांचल अखबार के सभी पद अवैतनिक हैं